सुविचार

अपने आप पर विश्वास रखें! अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें! बिना किसी विनम्र लेकिन उचित आत्मविश्वास के, आप सफल या खुश नहीं हो सकते।

दैनिक

उद्योग आस-पास

जयपुर एवं सीकर से एक साथ प्रकाशित

www.dainikudyogaaspass.com, E-mail: jaipurasspass@yahoo.com

कुल पृष्ठ 8 मुल्य 2.00 वर्ष 21 अंक 26 जयपुर, गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 पौषकृष्ण सप्तमी, संवत् 2082 आर.एन.आई. RAJHIN/2007/23406

SKJ Jewellers

आज का भाव
सोना जेवराती
123,200 रु.प्रति दस ग्राम
सोना 24 कैरेट
131,800 रु.प्रति दस ग्राम
चांदी जेवराती
191,000 रु. प्रति किलो

वैशाली नगर
गौतम मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर
0141-4005001

विद्याधर नगर
0141-2820777

जे.के.जे.
JEWELLERS, JAIPUR
विश्वास भी, विरासत भी

OUR STORES

M.I ROAD JAIPUR
0141-4923540/41, +91-9001208888

MANSAROVAR JAIPUR
0141-4003540/41, +91-9001207777

VIDYADHAR NAGAR JAIPUR
0141-4035540/41, +91-9001636666

JAGATPURA JAIPUR
+91-9001835555

jewelsbyjkj@gmail.com www.jkjjewellers.com jkjjewellersofficial

JKJ JEWELLERS
Satyanarayan Mosun
Since 1868

सुनील शर्मा ने राज्य सूचना आयुक्त पद की शपथ ली

मुख्य सूचना आयुक्त ने राज्य सूचना भवन में दिलाई शर्मा को शपथ

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) नव नियुक्त राज्य सूचना आयुक्त सुनील शर्मा को बुधवार को राज्य सूचना भवन में मुख्य सूचना आयुक्त मोहन लाल लाठर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी शर्मा को राज्यपाल बागडे ने गत 8 दिसम्बर को अधिसूचना जारी कर राज्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की थी। शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

इंडिगो संकट पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

सरकार और डीजीसीए से मांगा विस्तृत जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने इंडिगो संकट पर गहरी नाराजगी और चिंता जाहिर की है। हाईकोर्ट ने खुद इस मामले का संज्ञान लिया और कहा कि लाखों यात्री कई-कई घंटों तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। यह स्थिति सिर्फ यात्रियों की परेशानी नहीं है, बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डालती है। कोर्ट ने साफ कहा कि आज के समय में हवाई यात्रा तेज और सुचारु रूप से चलनी बहुत जरूरी है, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। सुनवाई के दौरान जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने सरकार से तीखे सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि सरकार ने जरूर कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन बात यह है कि ऐसी हालत बनी ही क्यों कि इतने बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द हों और यात्री परेशान हों। कोर्ट ने जानना चाहा कि एयरपोर्ट पर फंसे लोगों को राहत और मदद के लिए क्या किया गया। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि पायलटों की ड्यूटी टाइमिंग से जुड़े नए नियम 1 जून 2024 से लागू होने थे, फिर उन्हें समय पर सख्ती से क्यों नहीं लागू किया गया? पहले से पता होने के बावजूद इंडिगो ने पर्याप्त संख्या में पायलट क्यों नहीं भर्ती किए, जिसकी वजह से आज यह संकट खड़ा हुआ? कोर्ट ने एयरलाइन के स्टाफ के व्यवहार पर भी चिंता जताई और पूछा कि यात्रियों से अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 | **'जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी' की गूंज के बीच प्रवासियों का बाहें फैलाकर स्वागत**

प्रवासी राजस्थानियों का वैश्विक महाकुंभ बना जयपुर

1 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग, कमिटमेंट इन एक्शन कॉफी टेबल बुक का विमोचन

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) वैश्विक प्रवासी राजस्थानियों का संगम 'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025' का आगाज जयपुर के जेईसीसी में हुआ। बुधवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुरुआत की। कार्यक्रम में 'जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी' का संदेश गूंजा। सीएम ने 14 नए चैप्टर खोलने की भी घोषणा की।

प्रवासी राजस्थानियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बोले-ये समारोह विकास में भागीदार बनने का उत्सव है। राज्य अपनों का बाहें फैला स्वागत करता है। दुनिया में राजस्थान का सम्मान बढ़ाने में प्रवासियों की बड़ी भूमिका है। पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस में इतनी बड़ी संख्या में आए हैं। आपने देश और दुनिया में उद्योग, व्यापार, संस्थान, ग्लोबल नेटवर्क खड़े किए। सीएम ने आह्वान किया कि राजस्थान में भी काम करें। वादा किया था कि कोई परेशानी नहीं होने देंगे इसलिए आपके लिए अलग विभाग बना दिया। आप राजस्थान में अधिकाधिक निवेश करें। सरकार दिक्कत नहीं आने देगी।

उद्योगों को 24 घंटे बिजली देंगे: सीएम ने कहा कि सरकार ने पहले पानी पर काम किया। राम जलसेतु परियोजना में 26000 करोड़ के काम शुरू हो चुके। शेखावटी के लिए यमुना जल समझौते की डीपीआर बन रही है। ऊर्जा क्षेत्र में भी काम किया। किसानों को 2027 में दिन में बिजली शुरू कर देंगे। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने लगे हैं। उद्योगों को भी 24 घंटे बिजली देंगे। बीते 2 साल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। 92 हजार नौकरी दे चुके। 1,56,000 नौकरियां पाइपलाइन में है। इस माह 20 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। युवाओं के लिए नीति ला रहे हैं। युवा मिलकर उद्योग लगा सकते हैं।

14 नए चैप्टर खोलेंगे: सीएम ने राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर खोलने की घोषणा की। इनमें 9 चैप्टर दक्षिण अफ्रीका, बहरीन, कुबेर, ओमान, मलेशिया, थाईलैंड, हांगकांग, न्यूजीलैंड और कनाडा में होंगे। पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, सिक्किम और केरल में भी नए चैप्टर खोलेंगे। चैप्टर में एक सीनियर आईएएस अधिकारी लगाएंगे, जिसका ट्रांसफर किसी भी विभाग में हो सकता है, लेकिन चैप्टर के लिए लगातार काम करेगा। 24 से ज्यादा नीतियां लाए हैं। सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस नीति समेत कई नीतियों पर काम कर रहे हैं। प्रदेश में अपराधों में 20प्रतिशत की कमी आई। कई अपराध आधे रह गए। महिला अत्याचार 10 प्रतिशत घटे।

एक चौथाई निवेश धरातल पर: केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि राजस्थानियों के लिए कहा जाता है कि जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी। देश-विदेश में एक करोड़ प्रवासी राजस्थानी हैं। आप राजस्थान के ब्रांड एंबेसडर बनें। अपने गांव जाएं और विकास कराएं। राज्य में निवेश लाएं। हर प्रवासी राजस्थान में योगदान देगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का नंबर एक राज्य बनने से रोक नहीं पाएगी। राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ के एमओयू में एक चौथाई निवेश धरातल पर उतर चुका है।

कटारिया ने बताया टेंपरेरी प्रवासी: पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों का राजस्थान के लिए कर्ज उतारने का समय है। राज्य में अपार संभावनाएं हैं। हर क्षेत्र में सरकार सहयोग कर रही है। प्रवासी निवेश करें। यहां की जमीन खनिज के साथ सोना भी उगलती है। कटारिया बोले कि प्रवासियों ने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया, लेकिन गोयल ने मुझे ही प्रवासी बना दिया।

हनुमानगढ़ में मचा भारी बवाल, बेकाबू भीड़ ने गाड़ियां जलाई

पुलिस ने भीड़ पर दागे आंसू गैस के गोले, लाठीचार्ज में विधायक सहित कई घायल

हनुमानगढ़। जिले की टिब्बी तहसील के राठीखेड़ा के पास एशिया के सबसे बड़े इथेनोल प्लांट का निर्माण रोकने की मांग को लेकर बुधवार को भारी बवाल मच गया। हजारों की संख्या में ग्रामीण और किसान फैक्ट्री निर्माण स्थल पर पहुंचे। इस दौरान कुछ देर तक भाषणबाजी का दौर चला। प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच समन्वय नहीं बैठा और अचानक भीड़ बेकाबू हो गई। प्रदर्शनकारी बैरिकेट्स को तोड़कर आगे बढ़ने लगे और कई सरकारी व निजी वाहनों को आग लगा दी। भीड़ फैक्ट्री की दीवार को तोड़ने की कोशिश करने लगी। अचानक बिगड़े हालात पर पुलिस व प्रशासन को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान 10-12 पुलिसकर्मी और संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनियां सहित कई आंदोलनकारी घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार माहौल शुरू में शांत था, लेकिन भीड़ अचानक भड़क उठी जिससे तनाव फैल गया। तनाव बढ़ने पर जिले के अलावा आसपास के जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया।

Neuro Care Hospital
& Research Centre Pvt. Ltd.

WORLD CLASS NEURO
FACULTY IN RAJASTHAN

Vision of Excellence
Mission to Save Lives

DIRECTOR
Dr. Nemi Chand Poonia
(MBBS,MS (Gen Surgery)
M.Ch. (Neuro Surgery)

Vision of Excellence
Mission to Save Lives

NEURO CARE HOSPITAL
& Research Center Pvt.Ltd.

Facility

- 15 Bedded ICU
- 24 Hrs. Ambulance service
- 24x7 Medical Store service
- 24×7 Emergency Service
- All' kinds of Neuro Surgery
- Round the clock lab/Digital X-ray
- C-Arm
- Neuro Endoscopy for cranial and Spinal Surgery
- Round the clock C.T.Scan/M.R.I
- Highly Equipped Critical Care unit
- A.C.Deluxe/super Deluxe Rooms
- Twin Sharing Deluxe Rooms
- World Class Modular Operation Theatre
- Neuro Navigation System " Cranial and Spinal Navigation"
- Haag Streit Surgical Operating Microscope Modal-hs20-1000g
- Sonopet (CUSA)

1/611, SECTOR -1, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR -302023 (RAJASTHAN) INDIA
Phone, +(91)-141-2236712, 9983300286, 9829115233 Email: neurocare2013@gmail.com

गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार मुद्दे पर लोकसभा में दिया जवाब

हारने पर हम आरोप नहीं लगाते

सरदार पटेल को 28 वोट मिले, लेकिन दो वोट पाकर नेहरू प्रधानमंत्री बन गएः शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है। उन्होंने लोकसभा में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे। शाह ने कहा कि संविधान निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची बनाने का पूर्ण अधिकार देता है तथा एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। शाह ने कहा, ''संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई हैं। सबसे पहली शर्त है, मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए, विदेशी नहीं होना चाहिए। ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर क्यों कर रहा है? उसका (निर्वाचन आयोग) दायित्व है, इसलिए कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग तटस्थता से चुनाव कराने वाली संस्था है। गृह मंत्री ने कहा कि अनर्गल आरोप लगाकर निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''आपको ऐसा लगता है कि आप सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं, लेकिन असल में आप पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि धूमिल कर रहे हैं।'' शाह ने कहा कि यह नयी परंपरा शुरू हुई है कि चुनाव नहीं जीते तो निर्वाचन आयोग को बदनाम करो, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कई चुनावों में विपक्षी दलों की जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची खराब थी तो शपथ क्यों ली?

गृह मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''ईवीएम की दलील गले नहीं उतरती तो अब वोट चोरी का मुद्दा लेकर आए। वोट चोरी का मुद्दा लेकर पूरे बिहार में यात्रा निकाली। फिर भी हार गए। हारने का कारण आपका नेतृत्व है, हारने का कारण ईवीएम और मतदाता सूची नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता एक दिन इनका हिसाब मांगेंगे कि इतने चुनाव कैसे हार गए। उन्होंने कहा कि भाजपा कई चुनाव हारी, लेकिन कभी किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े नहीं किए। शाह ने कहा कि भाजपा को कभी सत्ता विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ता है।

सरोकार

क्या भावनाएं भी पढ़ सकता है एआई ?

इन दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का बहुत बोलबाला है। आए दिन एआई को लेकर कुछ ना कुछ सामने आ रहा है। कभी वीडियो को लेकर तो कभी अनुवाद और लेखन के संदर्भ में कुछ ना कुछ पढ़ने और देखने को मिल जाता है। कहा जा रहा है कि एआई सब कुछ करने में समर्थ है। एक नया शब्द सामने आया है भावनात्मक एआई और उसका भविष्य। रिसर्च कहते हैं कि भावनात्मक एआई का भविष्य उज्ज्वल है। उनका मानना है कि जैसे-जैसे यह तकनीक बेहतर होती जाएगी, हम देखेंगे कि एआई हमारे साथ और अधिक सहज तरीकों से बातचीत करेगा। एआई न

केवल बुनियादी भावनाओं को, बल्कि उन गहरी और जटिल भावनाओं को भी ग्रहण करेगा, जो हमारे अनुभवों को आकार देती हैं। कहा यह भी जा रहा है कि एआई की यह तकनीक मशीनों को मानवीय भावनाओं की व्याख्या करने और उन पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है।

एक्सपर्ट का मानना है : आज यह वाणी, टेक्स्ट और चेहरे के भावों में भावनात्मक संकेतों को समझने के लिए विकसित हो रहा है, जिससे बातचीत ज्यादा मानवीय लगने लगी है। भावनाएं हमारे हर काम को आकार देती हैं, हमारे द्वारा चुने गए विकल्पों से लेकर दूसरों के साथ हमारे जुड़ाव तक। एआई को भावनाओं को पहचानना और उन पर प्रतिक्रिया देना सिखाकर हम ग्राहक सेवा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में व्यक्तिगत और सहानुभूतिपूर्ण अनुभव बना सकते हैं। ऐसा मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि एआई एक्सपर्ट मानते हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि एआई के विकास में जटिल भावनाओं को समझने की क्षमता भी विकसित हुई। मशीन लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में हुई प्रगति की बदौलत एआई अब साधारण भावनाओं की पहचान से आगे बढ़ गया है। यह निराशा, व्यंग्य और सहानुभूति जैसे सूक्ष्म संकेतों को पहचान सकता है। आज एआई मानवीय भावनाओं के सूक्ष्म विवरणों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होता जा रहा है।

एआई तकनीक : एआई अब आवाज, चेहरे के भावों और यहां तक कि वाणी की लय में भावनात्मक बदलावों को भी पहचान सकता है। इससे उसे किसी व्यक्ति की भावनाओं को और गहराई से समझने में मदद मिलती है। बुनियादी भावना पहचान से लेकर संदर्भ और जागरूक व्याख्या तक कि इस छलांग ने एआई के साथ हमारी बातचीत को किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने जैसा बना दिया है। भावनात्मक एआई तकनीक के साथ हमारी बातचीत के तरीके में क्रांति ला रहा है। जहां तक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र की बात है, तो इसमें भावनात्मक एआई मानसिक स्वास्थ्य सहायता के क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। आभासी साथी रोगियों को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और टेलीमेडिसिन सत्रों के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। वहीं मनोरंजन और गेमिंग उद्योग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। खेलों और फिल्मों में एआई चालित पात्र खिलाड़ियों या दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल ढल सकते हैं, जिससे अधिक आकर्षक और यथार्थवादी अनुभव बनते हैं।

महत्वपूर्ण चुनौतियां : भावनात्मक एआई हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, यह महत्वपूर्ण चुनौतियां और नैतिक प्रश्न भी उठा रहा है। एक बड़ी चिंता एआई द्वारा भावनाओं की गलत व्याख्या करने का जोखिम है। मानवीय भावनाएं जटिल होती हैं। जब एआई गलत व्याख्या करता है, तो इससे निराशाजनक या हानिकारक अनुभव भी हो सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को गलत समझे जाने का अहसास होता है। इसमें निजता भी एक बड़ी चिंता का विषय है। भावनाओं और व्यक्तिगत डाटा पर नजर रखने की संवेदनशील प्रकृति का मतलब है कि मजबूत सुरक्षा के बिना इस जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। एक और चुनौती एआई प्रणालियों में पूर्वाग्रह की है। ये अक्सर विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में भावनाओं की सटीक व्याख्या नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप गलत व्याख्या हो जाती हैं।

युवाओं में बढ़ता एकांत कितना खतरनाक

> असफलता की स्थिति में यह अकेलापन अत्यधिक बढ़ जाता है। ऐसे में उन्हें लगता है कि कोई उनकी स्थिति समझ भी नहीं सकता, और यही विचार उन्हें मानसिक रूप से और अधिक एकाकी बना देता है। भारतीय परिवार पारंपरिक रूप से भावनात्मक सहारा और सुरक्षा का सबसे मजबूत स्तंभ माना जाता रहा है।

वर्तमान दौर में भारत तेजी से आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। तकनीक, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और जीवनशैली में हो रहे परिवर्तनों ने हमारे समाज को अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ाया है। इस विकास यात्रा में युवा वर्ग सबसे अधिक ऊर्जावान, रचनात्मक और बदलाव का वाहक माना जाता है। युवा सपनों, साहस और संभावनाओं से भरे होते हैं। परंतु इसी चमकदार परिदृश्य के भीतर एक गहरा और लगातार बढ़ता संकट जन्म ले चुका है-एकांत, अकेलापन और भावनात्मक विखंडन। आज यह अकेलापन केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक मौन मानसिक महामारी का रूप लेने लगा है। प्रश्न यह है कि इतनी आधुनिकता, इतनी सुविधा और इतनी तकनीक के बीच भी युवा कहां और क्यों अकेले पड़ते जा रहे हैं। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दावा किया था कि वे लोगों को दुनिया से जोड़ देंगे। पर विडम्बना यह है कि यही तकनीक युवाओं को अपने भीतर कैद करने लगी है।

संवाद का अभाव: दिन-रात ऑनलाइन रहने के बावजूद युवाओं में असली संवाद का अभाव बढ़ता गया है। बातचीत शब्दों से सिमटकर इमोजी में बदल गई है और दोस्ती गहरे रिश्तों से हटकर फॉलोअर्स और लाइक्स की गिनती बनकर रह गई है। युवा घंटों ऑनलाइन रहते हैं, लेकिन दिल का बोझ साझा करने के लिए एक भरोसेमंद व्यक्ति ढूंढ़ना उनके लिए कठिन हो गया है। आज का युवा अपने भविष्य को लेकर अत्यधिक सजग है। करियर, नौकरी, प्रतियोगी परीक्षाएं, आर्थिक सुरक्षा और जीवन में कुछ बड़ा कर दिखाने की चाह उसे लगातार दौड़ने पर मजबूर करती है। इस निरंतर दबाव में वह अक्सर यह महसूस करने लगता है कि वह अकेला है, पीछे छूट रहा है, और यदि वह सफल नहीं हुआ, तो जीवन का मूल्य कम हो जाएगा। समाज की अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा की अंधी होड़ और असफलता का भय युवा मन में एक ऐसी बेचैनी पैदा करते हैं, जो धीरे-धीरे उसे भीतर ही भीतर तोड़ने लगती है। वे खुद को परफॉर्मर समझने लगते हैं, इंसान होने की सादगी और भावनाओं से दूर हो जाते हैं।

एकाकी बना देता है : असफलता की स्थिति में यह अकेलापन अत्यधिक बढ़ जाता है। ऐसे में उन्हें लगता है कि कोई उनकी स्थिति समझ भी नहीं सकता, और यही विचार उन्हें मानसिक रूप से और अधिक एकाकी बना देता है। भारतीय परिवार पारंपरिक रूप से भावनात्मक सहारा और सुरक्षा का सबसे मजबूत स्तंभ माना जाता रहा है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली ने इस नींव को भी हिला दिया है। व्यस्त माता-पिता, ऑफिस के लंबे घंटे, मोबाइल स्क्रीन पर बढ़ता समय, अलग-अलग कमरों में रहने की आदत, और साझा समय का कम होना,इन सबने युवाओं को परिवार से दूरी की ओर धकेल दिया है। जिस उम्र में उन्हें सबसे अधिक मार्गदर्शन, संवाद और समझ की आवश्यकता होती है, उसी उम्र में उनके पास सुनने वाला कोई नहीं होता। परिणामस्वरूप वे अपनी भावनाएं भीतर दबाते रहते हैं, और धीरे-धीरे भावनात्मक खालीपन बढ़ने लगता है। सोशल मीडिया ने सफलता की एक ऐसी कृत्रिम दुनिया निर्माण कर दी है, जिसमें हर कोई खुश, सफल, धनी और संतुष्ट दिखता है।

जीवन की तुलना : युवा इस सजावट को वास्तविकता मान बैठते हैं और अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। धीरे-धीरे उनके भीतर यह भावना घर कर जाती है कि मेरे पास वह सब नहीं है जो दूसरों के पास है। मेरी जिंदगी पीछे चल रही है। तुलना का यह दबाव उन्हें आत्मसंतोष से दूर कर देता है और वे अपने ही भीतर एकांत का महल बना लेते हैं। आज के रिश्ते पहले जैसे गहरे, स्थिर और दीर्घकालिक नहीं रह गए हैं। अवास्तविक अपेक्षाएं, जल्दबाजी में बनने वाले संबंध, भरोसे की कमी, और सोशल मीडिया की सतही नजदीकियां युवाओं को भावनात्मक रूप से कमजोर कर देती हैं। ब्रेकअप, धोखा या रिश्तों में असफलता का दर्द युवा मन के लिए अत्यंत भारी हो जाता है। बड़े शहरों में रहने वाला युवा दिनभर हजारों लोगों को देखता है, भीड़ में चलता है, भीड़ के बीच काम करता है,परंतु उसके पास दिल की बात कहने वाला कोई नहीं होता। उसके पास होता है, एक छोटा-सा कमरा,एक मोबाइल स्क्रीन,किताबों और असाइनमेंट का दबाव,और मन में पलता अनकहा तनाव।

भावनात्मक मजबूती: परिवार में प्रतिदिन कम से कम कुछ समय ऐसा होना चाहिए, जब न फोन हो, न टीवी, न अन्य व्यवधान सिर्फ एक-दूसरे की बात सुनने का समय। यही संवाद मानसिक सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। स्क्रीन से बाहर की दुनिया को फिर से जीवन का हिस्सा बनाना होगा। दोस्तों के साथ वास्तविक बातचीत, समूह गतिविधियां, खेल, सांस्कृतिक आयोजन और सामुदायिक कार्यक्रम युवाओं को पुनः जीवन से जोड़ सकते हैं। युवाओं को यह समझाना अत्यंत आवश्यक है कि हर व्यक्ति का विकास पथ अलग होता,सोशल मीडिया पर दिखने वाली सफलताएं वास्तविकता का पूरा चित्र नहीं होतीं। असफलता को अंत नहीं, बल्कि नए आरंभ का अवसर समझाया जाए। युवाओं को अपनी भावनाओं को पहचानने, उन्हें व्यक्त करने और उन्हें स्वस्थ तरीके से संभालने की कला सिखानी चाहिए। यह कौशल उन्हें जीवन भर मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखेगा।

-डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल

2026 में रहेंगी 24 एकादशी यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

हिंदू धर्म में एकादशी को सभी व्रतों में श्रेष्ठ माना जाता है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है जो व्यक्ति इस व्रत को सच्चे मन से करता है उसे उसके सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। एकादशी व्रत करने वाला व्यक्ति इस लोक में समस्त सुख भोगकर मृत्य के बाद स्वर्ग में स्थान पाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि ग्यारहवीं तिथि को एकादशी कहते हैं। ये महीने में दो बार आती है। एक शुक्ल पक्ष के बाद और दूसरी कृष्ण पक्ष के बाद। पूर्णिमा के बाद आने वाली एकादशी को कृष्ण पक्ष की एकादशी और अमावस्या के बाद आने वाली को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहते हैं। इस तरह साल 24 एकादशी तिथियों को अलग-अलग नाम दिए गए हैं। हर एकादशी का अपना अलग महत्व है। हिंदू धर्म व्रतों और त्योहारों का विशेष महत्व है। एकादशी व्रत का भी सभी व्रत में विशेष महत्व है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू पंचांग के अनुसार एकादशी व्रत हर माह में 2 बार पड़ता है एक कृष्ण पक्ष में और एक शुक्ल पक्ष में। इस तरह से साल में 24 एकदशी पड़ती हैं।

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है। अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है। एकादशी का व्रत सभी व्रतों में सर्वोच्च माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति सच्ची श्राद्धा और भक्ति से इस व्रत को करते हैं उसकी सभी परेशानियों से उसे छुटकारा मिलता है। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का फल अलग-अलग मिलता है। सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं। हर महीने एक कृष्ण पक्ष की एकादशी और दूसरी शुक्ल पक्ष की एकादशी आती है। इसी के साथ कुल एकादशी की संख्या सालभर में 24 होती है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत: ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत: भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्त्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व: भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दशा (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए।

एकादशी व्रत 2026

षटतिला एकादशी- 14 जनवरी 2026
जया एकादशी - 29 जनवरी 2026
विजया एकादशी - 13 फरवरी 2026
आमलकी एकादशी - 27 फरवरी 2026
पापमोचिनी एकादशी - 15 मार्च 2026
कामदा एकादशी - 29 मार्च 2026
वरुथिनी एकादशी - 13 अप्रैल 2026
मोहिनी एकादशी - 27 अप्रैल 2026
अपरा एकादशी - 13 मई 2026
पद्मिनी एकादशी - 27 मई 2026
परम एकादशी - 11 जून 2026
निर्जला एकादशी - 25 जून 2026
योगिनी एकादशी - 10 जुलाई 2026
देवशयनी एकादशी - 25 जुलाई 2026
कामिका एकादशी - 9 अगस्त 2026
श्रावण पुत्रदा एकादशी - 23 अगस्त 2026
अजा एकादशी - 7 सितंबर 2026
परिवर्तिनी एकादशी - 22 सितंबर 2026
इन्दिरा एकादशी - 6 अक्टूबर 2026
पापांकुशा एकादशी - 22 अक्टूबर 2026
रमा एकादशी - 5 नवंबर 2026
देवुत्थान एकादशी - 20 नवंबर 2026
उत्पन्ना एकादशी - 4 दिसंबर 2026
मोक्षदा एकादशी - 20 दिसंबर 2026

खास- खबर

सर्दियों में बीमारियों के बढ़ने के कारण और बचाव

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। सर्दी साल का एक जादुई समय होता है, जो उत्सवों और छुट्टियों की खुशियों से भरपूर होता है।

डॉ. उम्मेद सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग श्री कल्याण राजकीय मेडिकल कॉलेज, सीकर

हालाँकि, इन खुशियों के साथ-साथ बीमार होने का खतरा भी बढ़ जाता है। जैसे-जैसे तापमान गिरता है और लोग घरों के अंदर इकट्ठा होते हैं, रोगाणुओं का फैलना और हमें सर्दी, फ्लू और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियाँ होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इस सर्दी और फ्लू के मौसम में खुद को और अपने प्रियजनों को स्वस्थ रखने के लिए निवारक उपाय करना ज़रूरी है।

डॉ. उम्मेद सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री कल्याण राजकीय मेडिकल कॉलेज, सीकर, स्वस्थ रहने के महत्व को समझते हैं। डॉ. उम्मेद सिंह ने बताया कि जैसे-जैसे ठंड का मौसम नज़दीक आता है, सर्दियों में होने वाली आम बीमारियों के बारे में जागरूक रहना ज़रूरी है जो इस दौरान तेज़ी से फैल सकती हैं। ये बीमारियाँ न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं बल्कि हमारे दैनिक जीवन पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं

दमा और सीओपीडी का बढ़ना: सर्द मौसम, धुंध और प्रदूषण फेफड़ों पर सीधा प्रभाव डालते हैं। इससे दमा और सीओपीडी के मरीजों में सांस फूलना, खांसी, सीने में जकड़न जैसे लक्षण बढ़ जाते हैं।

क्या करें... मास्क पहनें, धूल-धुआँ से बचें, इनहेलर नियमित रूप से लें, डॉक्टर द्वारा सुझाई दवाओं में बदलाव न करें घर में वेंटिलेशन रखें और धुआँ बनने से बचें।

हार्ट अटैक और स्ट्रोक का बढ़ा जोखिम: सर्दी में रक्त वाहिकाएँ सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है। यह हार्ट अटैक और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ा देता है, विशेषकर बुजुर्गों और उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीजों में।

क्या करें: सुबह बहुत जल्दी कड़क ठंड में बाहर निकलने से बचें नियमित बीपी और शुगर मॉनिटरिंग करें गरम कपड़े पहनें और अचानक तापमान बदलने से बचें

संक्रमणों में वृद्धि-जुकाम, फ्लू, निमोनिया: ठंड में वायरस तेजी से फैलते हैं और बंद कमरों में संक्रमण आसानी से फैल जाता है। बच्चों और बुजुर्गों में निमोनिया का खतरा भी बढ़ता है।

क्या करें: हाथ धोने की आदत बनाए रखें खांसी-जुकाम होने पर मास्क पहनें फ्लू वैक्सीन और निमोनिया वैक्सीन लाभकारी हो सकती हैं

गठिया और जोड़ों का दर्द: सर्दी में रक्त प्रवाह कम होने से जोड़ों का दर्द और जकड़न बढ़ जाती है। यह रुमेटीइड गठिया, ऑस्टियोआर्थराइटिस के मरीजों में अधिक देखा जाता है।

क्या करें: हल्की व्यायाम और स्ट्रेचिंग करें गरम सेक से राहत मिलती है दवा नियमित लें और ठंड से बचकर रहें।

हाइपोथर्मिया और ठंड लगना: बेहद कम तापमान में शरीर का तापमान गिरने लगता है, जिसे हाइपोथर्मिया कहते हैं। यह बुजुर्गों, नवजात बच्चों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें: पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें, खुले में अधिक देर न रहें, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सुरक्षा दें।

त्वचा संबंधी समस्याएँ: सर्दियों में त्वचा में नमी कम हो जाती है, जिससे रूखापन, खुजली और स्किन क्रैक्स बढ़ जाते हैं।

क्या करें: नियमित मॉइस्चराइजर का उपयोग करें, पर्याप्त पानी पिएँ।

सर्दी-जुकाम: सर्दियों में होने वाली सबसे आम बीमारी सर्दी-जुकाम, वायरस के कारण होती है और इसके परिणामस्वरूप बहती नाक, खांसी और गले में खराश जैसे लक्षण हो सकते हैं।

फ्लू (इन्फ्लुएंजा): फ्लू भी वायरस के कारण होता है और इसके परिणामस्वरूप बुखार, शरीर में दर्द और थकान जैसे अधिक तीव्र फ्लू लक्षण हो सकते हैं।

नोरोवायरस: यह अत्यधिक संक्रामक वायरस अक्सर 'पेट का फ्लू' कहलाता है और इससे उल्टी, दस्त और पेट दर्द हो सकता है ।

निमोनिया: यह एक श्वसन संक्रमण है जो विभिन्न वायरस या बैक्टीरिया के कारण हो सकता है; निमोनिया से सांस लेने में कठिनाई और लगातार खांसी हो सकती है।

तीव्र ब्रोंकाइटिस: एक अन्य श्वसन संक्रमण, ब्रोंकाइटिस बलगम वाली खांसी, सीने में तकलीफ और सांस लेने में कठिनाई पैदा कर सकता है।

स्ट्रेप थ्रोट: बैक्टीरिया के कारण होने वाली बीमारी, गले में खराश, बुखार और गर्दन में सूजी हुई लिम्फ नोड्स स्ट्रेप थ्रोट की विशेषता है। हालाँकि इनमें से ज़्यादातर बीमारियाँ सर्दियों में आम हैं, लेकिन इनके लक्षणों के बारे में पता होना ज़रूरी है ताकि ज़रूरत पड़ने पर आप डॉक्टर से सलाह ले सकें। कुछ सामान्य लक्षण जिन पर ध्यान देना चाहिए, वे हैं...। बुखार, खांसी, नाक बहना या बंद होना, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द, सौभाग्य से, सर्दियों की इन बीमारियों से बचने और ठंड के महीनों में स्वस्थ रहने के लिए आप कई कदम उठा सकते हैं। खुद को और अपने प्रियजनों को बीमारी से बचाने के लिए इन सुझावों का पालन करें।

निष्कर्ष: सर्दियों में बीमारियों का बढ़ना आम बात है, लेकिन सही जानकारी और सावधानियों से इनका प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। समय पर डॉक्टर से परामर्श, नियमित दवा सेवन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से आप और आपका परिवार पूरी सर्दी स्वस्थ रह सकते हैं।

डी.आर. यादव होंगे डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित

जयपुर।(आस-पास ब्यूरो) पूर्व सहायक नियंत्रक राजस्थान-आई ए एस संबद्ध सेवा, डी आर यादव पुत्र मुरलीधर यादव जो राजस्थान के जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील के करीरी गांव के निवासी हैं तथा वर्तमान में श्रीकृष्ण योग पीठ वृंदावन के राजस्थान प्रदेश संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे 1982 में दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगीकी विभाग में ड्यूटी ज्वाइन की और राजस्थान,गुजरात तथा संचार मंत्रालय, संचार भवन, नई दिल्ली सहित दूरसंचार विभाग में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वह 31 जुलाई 2022 को अपनी लगभग 40 वर्ष उत्कृष्ट सेवा पूर्ण करने के बाद सहायक नियंत्रक राजस्थान, IP&TAFS -आई ए एस संबद्ध सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। विभाग में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं, उत्कृष्ट सामाजिक व मानवीय सेवाओं तथा पर्यावरण, गौसेवा एवं अन्य क्षेत्रों में सराहनीय सेवाओं को देखते हुए गांधी पीस फाउंडेशन नेपाल की चयन समिति ने उनको डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजने का निर्णय लिया है। यह डॉक्टरेट की मानद उपाधि उन्हें 02 जनवरी 2026 को ग्राम शिमला में आयोजित स्व. टी सी प्रकाश की 93 वीं जयंती पर आयोजित समारोह के अवसर पर प्रदान की जाएगी। डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए चयन होने पर उन्हें अनेक शुभ चिंतकों,मित्रों व रिश्तेदारों सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

1 माह की बच्ची के दोनों हाथ खा गए कुत्ते, खाली प्लॉट में मिला नवजात का क्षत विक्षिप्त शव

भरतपुर। राजस्थान के जिले भरतपुर में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। मामला बापू नगर कॉलोनी का है। जहां एक माह पहले जन्मी बच्ची का शत विक्षित शव खाली प्लॉट में लावरिस हालत में मिला। जिसके दोनों हाथों को कुत्तों ने पूरी तरह से खा रखा था। इलाके में रह रहे लोगों को जब इस घटना की सूचना मिली तो हड़कंप मच गया। और लोगों ने तुरंत शव को देखते हुए पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना पर अटल वन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। और शव को कपड़े से ढकते हुए कब्जे में लिय। साथ ही एक माह की मासूम के शव को जिला के आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां शव का पोस्टमार्टम कराकर अपना घर आश्रम की टीम को अंतिन संस्कार के लिए सौंप दिया।

6 हफ्ते में 5वीं बार मिली धमकी, आज होने हैं बार-एसोसिएशन के चुनाव

राजस्थान-हाईकोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। जयपुर राजस्थान हाईकोर्ट को लगातार तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। कल, मंगलवार को धमकी मिलने के बाद आज भी कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना के बाद मौके पर बमनिरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची। राजस्थान हाई कोर्ट में बम की सूचना के बाद जांच एजेंसी द्वारा दो बार पूरी तरह सर्च किया गया। सुबह 8 बजे से ही बमनिरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम ने सर्च किया। हाई कोर्ट सत्यमेव जयते भवन की पूरी तरह जांच की गई। जांच में किसी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच एजेंसियों ने सभी तरह से सुरक्षित पाया।सत्यमेव जयते भवन,हाई कोर्ट परिसर को पूरी तरीके से सुरक्षित पाया। 11:30 से सभी अदालतों में कार्यवाही शुरू हुई।

राजस्थान हाई कोर्ट में बार एसोसिएशन के चुनाव आज : दो दिन से लगातार राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। आज 11 दिसंबर, गुरुवार को राजस्थान हाई कोर्ट में बार एसोसिएशन के चुनाव होने हैं। बता दें, इससे पहले 31 अक्टूबर और 5 दिसंबर को भी धमकी मिली थी। हालांकि सावधानी के तौर पर कोर्ट परिसर को खाली करवाया जा रहा है।

6 हफ्तों में पांचवी बार मिली धमकी : पिछले 6 हफ्तों में यह पांचवीं बार है जब हाईकोर्ट को इस तरह का धमकी भरा मेल मिला है, इससे पहले 31 अक्टूबर, 5 दिसंबर, 8 दिसंबर और 9 दिसंबर को भी इसी तरह के संदेशों ने सुरक्षा एजेंसियों को परेशान कर दिया था। लगातार मिल रहे इन फर्जी मेलों ने अदालत की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

न्यायिक कार्यवाही हो रही बाधित: बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल न्यायिक कार्यवाही को बाधित कर रही हैं, बल्कि मामलों के निपटान में भी देरी का कारण बन रही हैं। पुलिस और प्रशासन सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत करने, प्रवेश जांच सख्त करने और निगरानी प्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें, ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों से समय रहते निपटा जा सके।

साइबर सेल को जांच सौंपी : सूचना पर पुलिस, एटीएस, एसओजी, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब 2 घंटे तक चले तलाशी अभियान में मुख्य भवन से लेकर पार्किंग और रिकॉर्ड रूम तक सघन जांच की गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद मामले को 'होक्स मेल' यानी झूठी धमकी मानते हुए साइबर सेल को जांच सौंप दी गई। इससे पहले भी मंगलवार को एक मेल मिला, जिसमें दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में विस्फोटक लगाए गए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और तत्काल पूरे परिसर को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। वकीलों, कर्मचारियों और मुकदमे के पक्षकारों को सुरक्षित बाहर निकालकर सभी न्यायिक कार्यवाही अस्थायी रूप से रोक दी गई।

बीजेपी सरकार की दूसरी वर्षगांठ... नव उत्थान- नई पहचान, बढ़ता राजस्थान- हमारा राजस्थान'

'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने में राजस्थान अग्रणी

'सहकार सदस्यता अभियान' से मिली सहकारी तंत्र को मजबूती

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को मूर्त रूप देने हेतु निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य में सहकारिता आंदोलन को जमीनी स्तर तक विस्तार देने तथा आमजन को अधिकाधिक संख्या में जोड़ने के उद्देश्य से अक्टूबर माह में आयोजित 'सहकार सदस्यता अभियान' सफल सिद्ध हुआ है। अभियान की प्रारंभिक अवधि 2 से 15 अक्टूबर निर्धारित की गई थी, जिसे प्राप्त उत्साहजनक परिणामों के फलस्वरूप 22 अक्टूबर तक बढ़ाया गया। अभियान के दौरान लगभग 8,500 पैक्स स्तर पर शिविर आयोजित किए गए तथा युवाओं एवं महिलाओं को विशेष रूप से सहकारी संस्थाओं से जोड़ने पर बल दिया गया। परिणामस्वरूप 7.34 लाख के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 8.90 लाख से अधिक लोगों ने सदस्यता के लिए आवेदन किया। अभियान अवधि में 7 में से 6 संभागों ने लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन किया। संभागों का प्रदर्शन इस प्रकार रहा...!

जयपुर संभाग: लक्ष्य 1.25 लाख, उपलब्धि 2.03 लाख

उदयपुर संभाग: लक्ष्य 1.01 लाख, उपलब्धि 1.30 लाख

अजमेर संभाग: लक्ष्य 1.15 लाख, उपलब्धि 1.22 लाख

बीकानेर संभाग: लक्ष्य 99 हजार, उपलब्धि 1.19 लाख

कोटा संभाग: लक्ष्य 53 हजार, उपलब्धि 68 हजार

भरतपुर संभाग: लक्ष्य 74 हजार, उपलब्धि 95 हजार

जोधपुर संभाग: कुल उपलब्धि 1.53 लाख

अभियान के दौरान पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स गठन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। इस दौरान 1,706 ग्राम पंचायतों में सर्वे कार्य पूर्ण हुआ, 1,296 पैक्स हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई और 1,275 नए पैक्स गठन के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसी प्रकार,सहकारी समितियों की आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने हेतु 1,342 समितियों में गोदाम निर्माण के लिए भूमि का चिन्हीकरण किया गया तथा 1,215 समितियों द्वारा भूमि आवंटन के लिए आवेदन किया गया। इससे आगामी वर्षों में राज्य की भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

अभियान अवधि में पीएम किसान सम्मान निधि योजना से संबंधित लम्बित प्रकरणों का भी निस्तारण किया गया। इस दौरान 38,850 कृषकों की आधार सीडिंग और 27,640 कृषकों की ई-केवाईसी पूर्ण की गई। इससे पात्र किसानों को योजना का लाभ सुव्यवस्थित रूप से प्राप्त हो सकेगा। अभियान के दौरान नवीन सहकारी कानून का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया। प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव कोड के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी 11 लाख से अधिक लोगों को प्रदान की गई। नवीन को-ऑपरेटिव कोड से सहकारी क्षेत्र में पारदर्शिता, सुशासन एवं दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

अभियान से सहकारिता नेटवर्क को मजबूती मिली है। युवाओं एवं महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी तथा नए पैक्स गठन से राज्य में सहकारिता का ढांचा और अधिक मजबूत हुआ है।इससे जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच जमीनी स्तर तक सुनिश्चित होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सहयोग मिलेगा। राज्य सरकार द्वारा इन सभी कार्यों का सतत फॉलो-अप किया जा रहा है तथा सहकारिता क्षेत्र के व्यापक विकास हेतु आगे भी प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

अस्पताल में डॉक्टर की लापरवाही से प्रसव के दौरान महिला की मौत

जालोर। (आस-पास ब्यूरो) राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल शहर के निजी त्रिवेणी अस्पताल में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया, जिसके चलते मृतका के परिजनों और सोनी समाज के लोगों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मृतका की पहचान सांथू निवासी हिना पत्नी अंबालाल सोनी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, हिना को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन त्रिवेणी अस्पताल लाए थे। यहां सामान्य प्रसव कराया गया, जिसमें नवजात स्वस्थ बताया जा रहा है। हालांकि, प्रसव के तुरंत बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान डॉक्टरों की घोर लापरवाही के कारण महिला की स्थिति गंभीर हुई। हालत बिगड़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए गुजरात रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही महिला की मृत्यु हो गई। महिला की मौत की खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में परिजन और सोनी समाज के लोग अस्पताल के बाहर एकत्रित हो गए। लोगों ने मृतका का शव अस्पताल के बाहर रखकर प्रदर्शन किया और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ ज़ोरदार नारेबाजी की, जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस मामले में नया मोड़ तब आया जब सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई कि संबंधित डॉक्टर ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन और आक्रोशित परिजनों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया। हालांकि, समझौते की शर्तें सार्वजनिक नहीं की गई हैं।

पूर्णिमा इंस्टीट्यूट में 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2025 आयोजित

विजेता टीमों को प्रदान की गई नौ लाख रुपए की पुरस्कार राशि

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पीआईईटी) में 36 घंटे का एआईसीटीई स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच)-2025 आयोजित किया गया। सॉफ्टवेयर एडिशन के इस ग्रैंड फिनाले में देशभर की 29 टीमों के जरिए 210 स्टूडेंट ने पार्टिसिपेट किया। 13 राज्यों के इन प्रतिभागियों ने अपने मेंटर के मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार द्वारा दी गई छह समस्याओं के सॉफ्टवेयर समाधान तैयार किए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और एआईसीटीई द्वारा आयोजित हैकथॉन के लिए पीआईईटी को दूसरी बार नोडल सेंटर बनाया गया। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के एडिशनल डायरेक्टर राजकुमार वर्मा समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे, जबकि जीसीईसी के संस्थापक व टेडएक्स स्पीकर परेश गुप्ता विशिष्ट अतिथि रहे। इन्होंने एआईसीटीई के नोडल सेंटर इंचार्ज डॉ. एलंगोवन करिअप्पन व

संदीप अग्रवाल के साथ विजेता टीमों को सम्मानित किया। टीम विग्नना सारथी, रोबस्ट सॉल्यूशंस और टीम 100 एक्स विजेता रहीं, जबकि टीम टीएलई स्मैशर्स व स्टेक नोवा एबेसेक तथा टीम गरुड़ व रिटर्न जीरो एएफ 98 ए संयुक्त विजेता रही। इन टीमों को पुरस्कार स्वरूप कुल नौ लाख रुपए की राशि प्रदान की गई।

हैकथॉन के प्रतिभागियों द्वारा स्मार्ट एजुकेशन, स्मार्ट ऑटोमेशन और क्लीन व ग्रीन टेक्नोलॉजी पर आधारित सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन तैयार किए गए। 22 जूरी सदस्यों द्वारा इनकी नवाचार, व्यावहारिकता और तकनीकी प्रभावशीलता के आधार पर गहन समीक्षा की गई, जिनमें सरकारी विभागों के 12 वरिष्ठ विशेषज्ञ और 10 इंडस्ट्री के अनुभवी तकनीकी विशेषज्ञ शामिल थे। इसके अतिरिक्त, एआईसीटीई और तकनीकी शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मेजबान पीआईईटी के निदेशक डॉ. दिनेश गोयल ने कहा कि संस्थान द्वारा हैकथॉन के प्रतिभागियों को अत्याधुनिक तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर, हाई-स्पीड इंटरनेट, मेंटरिंग सपोर्ट, समर्पित कार्यस्थल और सुगठित हॉस्पिटैलिटी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई, ताकि सभी टीमें पूरी क्षमता के साथ नवाचार प्रस्तुत कर सकें। डॉ. अजय मौर्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राज्य सरकार की पंच गौरव योजना के तहत गागरोन दुर्ग में इतिहास रचा

5100 विद्यार्थियों की एकसाथ चित्रकारी से बना विश्व रिकॉर्ड

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में आधिकारिक रूप से दर्ज हुआ रिकॉर्ड

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) झालावाड़ जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल गागरोन दुर्ग बुधवार को एक अद्वितीय और ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने एक साथ चित्रकारी कर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। राज्य सरकार की पंच गौरव योजना के तहत आयोजित 'गागरोन दुर्ग चित्रकला महोत्सव' ने जिले ही नहीं, पूरे प्रदेश में कला और सांस्कृतिक चेतना की नई लहर पैदा कर दी। बुधवार सुबह से ही ऐतिहासिक दुर्ग परिसर उल्लास, उत्साह और रचनात्मकता से भर उठा। फोर्ट की प्राचीन दीवारों और शांत जलराशि के बीच जब हजारों विद्यार्थियों ने अपनी पेंट ब्रश से रंग बिखेरने शुरू किए तो पूरा वातावरण मानो एक विशाल कैनवास में बदल गया।

जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ ने इस विश्व-स्तरीय उपलब्धि को जिले के लिए अविस्मरणीय क्षण बताया। उन्होंने कहा कि गागरोन दुर्ग

सदियों से इतिहास का साक्षी रहा है लेकिन आज जिस तरह यहां कला का महासागर उमड़ा, वह दुर्लभ है। यह आयोजन सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं बल्कि हमारे ब'चों की रचनात्मकता, विरासत के प्रति सम्मान और जिले की पहचान को समर्पित पहल है। यह आयोजन न केवल ब'चों की प्रतिभा का उत्सव बना, बल्कि गागरोन दुर्ग को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कला, संस्कृति और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने वाला साबित होगा।

आयोजन के दौरान रामबुर्ज पर पंचगौरव के तहत चयनित खेल बास्केटबाल का रोमांचक मैच भी आकर्षण का केंद्र रहा। झालावाड़ गर्ल्स टीम और बॉयज़ टीम के बीच मैच आयोजित किया गया। विशेष बात यह रही कि जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने स्वयं गर्ल्स टीम की ओर से मैदान में उतरकर खेला, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुँच गया। जोश और खेलभावना से भरे मुकाबले में गर्ल्स टीम विजेता रही।

पंच गौरव थीम पर लगी प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र: गागरोन दुर्ग, संतरा, सागवान, कोटा स्टोन और बास्केटबॉल-जिले के पंच गौरव विषयों पर आधारित स्टॉलों पर लोगों की खूब भीड़ रही। स्टॉलों ने जिले की विशेषताओं उद्योगों, उद्यानिकी, पर्यटन और लोक विरासत को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

सुव्यवस्थित आयोजन:सभी विभागों की उत्कृष्टसमन्वय से बनी मिसाल: जिप सीईओ शंभूदयाल मीणा और एसडीएम अभिषेक चारण के नेतृत्व में सुरक्षा, आवागमन, पेयजल, चिकित्सा, बिजली, व्यवस्था और नियंत्रण का बेहतरीन प्रबंधन किया गया। सभी विभागों द्वारा समन्वय के साथ की गई सुव्यवस्था से विद्यार्थी और आगंतुक पूरे समय सहज और सुरक्षित रहे।

संतरा व सागवान का किया पौधारोपण: इस दौरान जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित जनप्रतिनिधियों ने किले में संतरा व सागवान के पौधों का रोपण किया। जिला कलेक्टर ने वन विभाग के कार्मिकों को इन पोधों के संरक्षण की जि्म्मेदारी सौंपी। जिला कलेक्टर ने पिछले 15 दिनों से विशेष रूप से गागरोन दुर्ग में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था और झाड़ियों की कटाई के कार्य को करने वाली मनरेगा की महिला श्रमिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने उपस्थित आमजन, विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संगठनों और सभी विभागों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस विशाल आयोजन को सफल बनाया।

इस दौरान जिला प्रमुख प्रेम बाई दांगी, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार,आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, हर्षवर्धन शर्मा, उप वन संरक्षक सागर पंवार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अनुराग भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण, उपखण्ड अधिकारी भवानीमंडी श्रद्धा गोमे, झालरापाटन प्रधान भावना झाला सहित विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एसकेआईटी ने की, प्री-एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी

वैश्विक एआई लीडर्स को मंच, पीएम के इंडिया एआई मिशन को दिया बल

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) स्वामी केशवनंद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथन (एसकेआईटी) ने इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के प्री-समिट कार्यक्रम की प्रभावशाली मेजबानी की। जो एम्पावरिंग इंडिया स ह्यूमन कैपिटल फॉर द एआई-ड्रिवन फ्यूचर विषय पर केंद्रित था। यह आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा एआईसीटीई के तत्वावधान में आयोजित किया गया और भविष्य उन्मुख कौशल, समावेशी इनोवेशन तथा जिम्मेदार एआई अपनाने पर विशेष ध्यान देते हुए प्रधानमंत्री के इंडिया एआई मिशन और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप रहा।

एआईसीटीई के निदेशक डॉ. अमित दत्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उल्लेख किया कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, जिसका औपचारिक ऐलान माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस एआई एक्शन समिट में किया था, 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा। एआईसीटीई के अध्यक्ष ने इस समिट का केंद्रीय विषय ह्यूमन कैपिटल निर्धारित किया है, जो तीन मूलभूत सूत्रों-पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस-पर आधारित होगा और मानव विकास, पर्यावरणीय स्थिरता तथा तकनीकी प्रगति के संगम पर वैश्विक विमर्श को आगे बढ़ाएगा। डॉ. दत्ता ने पाठ्यक्रम इनोवेशन, उद्योग-अकादमिक सहयोग और व्यापक स्किलिंग पहलों के माध्यम से एआई-साक्षर कार्यबल तैयार करने में तकनीकी संस्थानों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। प्रो. पुनीत शर्मा, टेक्नोलॉजी डिसेमिनेशन मीडिया

एडवाइज़र, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। पैनल में एमिनेंट विशेषज्ञ शामिल थे। हितेश चौहान, प्रिंसिपल सॉल्यूशन आर्किटेक्ट, ओरेकल संदीप जैन, सीईओ एवं फाउंडर, गीक्स फॉर गीक्स, डॉ. किरण त्रिवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग ऑस्ट्रेलिया= इंडिया, शुभम गुप्ता, एसोसिएट स्टाफ इंजीनियर, नगैरो कल्पित सिंह, डायरेक्टर एआई, सिंगलस्टोर,तथा शिव प्रकाश ओझा, सीनियर प्रिंसिपल टेक्नोलॉजी आर्किटेक्ट, इंफोसिस।?

कार्यक्रम में हुई सजीव चर्चाओं और संवाद के माध्यम से वक्ताओं ने राष्ट्रीय एआई पहलों को कैंपस स्तर पर मूर्त रूप देने के व्यावहारिक रास्तों पर चर्चा की, जिनमें उन्नत पाठ्यक्रम, इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और स्टार्टअप इनक्यूबेशन जैसी पहलें शामिल थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारत की जनसांख्यिकीय बढ़त को इंडिया एआई मिशन के ह्यूमन कैपिटल, इनोवेशन और इन्क्लूजन जैसे स्तंभों के साथ जोड़ा जाए, तो देश स्वास्थ्य, वित्त, मोबिलिटी और डिजिटल गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में विश्वसनीय और प्रभावशाली एआई समाधानों का वैश्विक केंद्र बन सकता है।?

जयपुर में महा अरोवा इंडिया एलएलपी अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर का शुभारंभ

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। उत्तराखंड के शुद्ध और प्राकृतिक हिमालयी जल स्रोतों से प्राप्त अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर, भारत का उभरता हुआ प्रीमियम हाइड्रेशन ब्रांड, आज गुलाबी नगरी जयपुर में अपने आधिकारिक शुभारंभ की घोषणा करता है। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, अरोवा ऐसा जल लेकर आया है जो साधारण पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर से बिल्कुल अलग है।यह पूरी तरह प्राकृतिक है, आवश्यक मिनरल्स से भरपूर है और सेहतमंद जीवन के लिए बनाया गया है। आम तौर पर बाजार में मिलने वाला पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर आरओ प्रोसेस से गुजरता है, जिससे पानी के प्राकृतिक खनिज नष्ट हो जाते हैं। वहीं अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर प्राकृतिक मिनरल से भरपूर जल स्रोतों से प्राप्त किया जाता है और इसकी शुद्धता और प्राकृतिक गुणों को सुरक्षित रखते हुए बोतलबंद किया जाता है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, सोडियम, बाइकार्बोनेट्स, सल्फेट्स, क्लोराइड और प्राकृतिक सिलिका जैसे आवश्यक मिनरल्स संतुलित मात्रा में मौजूद हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं, मांसपेशियों

की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, पाचन सुधारते हैं और शरीर को बेहतर हाइड्रेशन प्रदान करते हैं। इसका प्राकृतिक रूप से संतुलित पी एच शरीर के आंतरिक संतुलन को बनाए रखने में भी सहायक है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवा सहभागिता आवश्यक: राज्य निर्वाचन आयुक्त

मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार गोष्ठी में वक्ताओं ने विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ बढ़ाने पर दिया जोर

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रक्रिया का आलोचनात्मक अध्ययन और मूल्यांकन कर इसमें सहभागी बनकर सक्रिय योगदान करना चाहिए ताकि भारतीय लोकतंत्र के स्वातंत्र्य, समता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्र के सर्वतोमुखी एवं सर्वसहभागी विकास के महान स्वप्न को साकार किया जा सके। राजेश्वर सिंह ने बुधवार को सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, जयपुर की 'ज़ेवियर्स इलेक्टोरल लिटरेसी सोसायटी', उन्नत भारत अभियान एवं जेवियर्स वोकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार' विषयक युवा गोष्ठी में ये बात कही।

कार्यक्रम में राजेश्वर सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, विकास संबंधी मुद्दों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के आलोचनात्मक अध्ययन एवं अनुशीलन में प्रवृत्त होने तथा अपनी बुनियादी समझ विकसित करने हेतु प्रेरित किया ताकि वे शिक्षित, सक्षम एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि व दूरदृष्टि संपन्न, क्रियाशील एवं विकासोन्मुखी सरकार का चुनाव कर सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति, सिद्धान्त, कार्यक्रम, कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए। उन्हें प्रत्याशियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिबद्धता, जनसमस्याओं की समझ, तथ्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में प्रो. सुधीर सोनी ने 'वोटर रजिस्ट्रेशन ऐप' के बारे में बताया कि यह ऐप युवा मतदाताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाता है।

इसके बाद विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ली जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने और निभाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी समझ को और गहरा किया। सेंट जेवियर कॉलेज के प्राचार्य ने अतिथियों को सम्मान चिन्ह देकर धन्यवाद ज्ञापन किया ।

बच्चों के कल्याण के लिए यूनिसेफ से बढ़ती उम्मीदें

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- यूनिसेफ की स्थापना के 79 वर्ष

(यूनिसेफ स्थापना दिवस (11 दिसम्बर) पर विशेष)

संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतर्राष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ का गठन करने में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉशमन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है।

अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है।

1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था 49 से भी अधिक देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है।

यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है, इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है। 150 से अधिक देशों के कार्यालय, मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में यूनिसेफ फंड एकत्रित करने के लिए विश्वस्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इस संस्था का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। संस्था के संसाधनों का दो-तिहाई योगदान विभिन्न देशों की सरकारें करती हैं और शेष योगदान निजी समूहों तथा व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय समितियों के माध्यम से किया जाता है। यूनिसेफ के लक्ष्यों की एक लंबी सूची है, जिसमें न्यूनतम-लागत हस्तक्षेप के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को बचाने, बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना शामिल हैं। अनुमान लगाया जाता रहा है कि यूनिसेफ के राजस्व का करीब 92 फीसदी हिस्सा सेवा कार्यक्रमों के लिए वितरित कर दिया जाता है। वर्तमान में यूनिसेफ द्वारा बच्चों का विकास, बुनियादी शिक्षा, लड़कियों की शिक्षा सहित लिंग के आधार पर समानता, बच्चों का हिंसा से बचाव, शोषण, बाल-श्रम के विरोध में, एचआईवी/एड्स, बच्चों के अधिकारों के वैधानिक संघर्ष इत्यादि के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

यूनिसेफ इस बात में विश्वास रखता है कि बच्चों का पोषण और देखभाल करना मानव प्रगति की आधारशिला है और उसका मानना है कि अगर दुनिया में फैली असमानता को मिटाया नहीं गया तो वर्ष 2030 तक लगभग 167 मिलियन बच्चे भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर होंगे। दरअसल माना जा रहा है कि 2030 तक पांच वर्ष से कम आयु के करीब 19 मिलियन बच्चों की विभिन्न कारणों से मौत हो जाएगी और करीब 60 मिलियन बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध ने इन चुनौतियों को और बढ़ाया है। ऐसे में बच्चों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत यूनिसेफ से उम्मीदें काफी बढ़ जाती हैं, जिसकी नीति है कि कोई अन्य विकल्प नहीं होने पर ही अनाथालयों को केवल बच्चों के लिए अस्थायी आवास के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरअसल यूनिसेफ बच्चों के लिए स्थायी अनाथालयों के बड़े पैमाने पर निर्माण का विरोध करता रहा है। उसका कहना है कि जहां तक संभव हो, परिवारों और समुदायों में ही बच्चों के लिए स्थान खोजने अर्थात् उन्हें गोद देने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यूनिसेफ अनाथ बच्चों को विदेशी माता-पिता को गोद देने के बजाय स्वदेश में ही बच्चों की देखभाल करने पर जोर देता रहा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

बच्चों पर संकट

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं।

पहाड़ केवल ज़मीन नहीं, प्रकृति के श्रृंगार हैं

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(11 दिसम्बर अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस)

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। यूएनओ ने 2003 में पर्वतों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में घोषणा की। पर्वत न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं बल्कि यह वनस्पति, जलीय स्रोत और जैव विविधता के भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्वतों की सुरक्षा की आवश्यकता और महत्व को समझाना है, पर्वतों की स्थिति में भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ स्थित हैं। देश के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत भाग पर्वतों से आच्छादित है।

पर्वतों की सुरक्षा के लिए सतत विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन और भीषण दोहन के कारण आज पहाड़ों पर गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं, अनियंत्रित और अत्यधिक पर्यटन ने प्रदूषण, विशेष रूप से गैर-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कचरे की समस्या को गंभीर बना दिया है। पर्वतीय कस्बों में अपशिष्ट निपटान की अपर्याप्त सुविधाओं के कारण नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है। बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अति-दोहन किया जा रहा है। अरावली जैसी पर्वतमालाओं में अनियंत्रित खनन ने पर्यावरण को गंभीर रूप से घायल किया है, जिससे मरुस्थलीकरण और जल संकट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। पर्वतीय समुदायों को अक्सर गरीबी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और सीमित डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पर्वत न केवल पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बल्कि तालाबों में बसे लाखों लोगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये हैं दुनिया की प्रमुख नदियों और जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दिन पहाड़ों के विकास और उनसे मिलने वाले अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह लोगों को पर्यावरण में पर्वतों की भूमिका और उनके जीवन पर प्रभाव के बारे में शिक्षा देता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का इतिहास 1992 से शुरू हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के अध्याय 13 में संवेदनशील प्रशिक्षण तंत्र का प्रबंधन- सतत विकास के तहत विशिष्टता को शामिल किया गया था। यह पर्वत विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ। पहाड़ों के महत्व की ओर बढ़ते ध्यान को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष घोषित किया और 2003 से हर साल 11 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का निर्णय लिया। इसलिए, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 11 दिसंबर 2003 को मनाया गया था।

पर्वतों में प्रकृति के अनमोल रत्न शामिल हैं जिनका हमें संरक्षण करना चाहिए। ये हैं दुनिया की 15त्न आबादी के घर और आसपास के आदिवासियों के समूह में शामिल हुए हैं। पहाड़ के किसानों को जीवन के लिए ताज़ा पानी उपलब्ध कराते हैं, कृषि को बनाए रखते हैं और स्वच्छ ऊर्जा और औषधियों की आपूर्ति में मदद करते हैं। दुर्भाग्य से, जलवायु परिवर्तन, भारी दोहन और प्रदूषण के कारण पर्वत खतरे में हैं, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि वहां रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है। जैसे-वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, पर्वतीय तापमान बढ़ रहा है, जिससे नीचे के क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग, जो दुनिया के सबसे गरीब समुदायों में से हैं, जीवित रहने के लिए और भी बड़े-बड़े संकटों का सामना कर रहे हैं। ठेकों के कारण, कृषि, सुपरमार्केट या दुकानदारों के लिए किसानों को साफ करने से मिट्टी का कटाव और आवासों का नुकसान हो सकता है। कटाव और

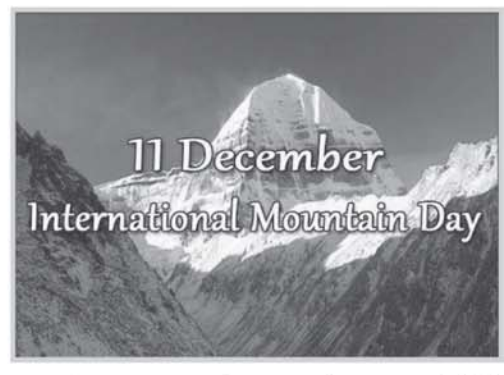

प्रदूषण न केवल जल प्रवाह की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि मिट्टी की वास्तुकला को भी कम करते हैं। दरअसल, पूर्वोत्तर देशों में 311 मिलियन ग्रामीण पर्वतीय लोग क्षेत्र में रहते हैं, जहां भूमि का स्थिरीकरण हो रहा है, और इनमें से 178 मिलियन लोग खाद्य सुरक्षा के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हम सभी को प्रभावित करती है। हमें अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करना चाहिए और इन प्राकृतिक खजानों की देखभाल करनी चाहिए। आज का दिन पर्वतों के जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह पर्वतीय विकास से जुड़े अवसरों और परिचय को दर्शाता है और पहाड़ी इलाकों और पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्वत हमारे पर्यावरण, जीवन और संस्कृति का हिस्सा हैं। संबंधित तथ्यों का पता लगाना केवल ज्ञान की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सुरक्षा की आवश्यकता को पूरा करना भी आवश्यक है। पर्वत प्रकृति की अनमोल देन हैं, इन्हें संरक्षित रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

(लेखक पत्रकार हैं)

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ऐसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया।

कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता, तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से, संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

विचार मंथन

चुनाव सुधार और 'वोट चोरी' पर संसद में बहस

(लेखक - सनत जैन)

लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बनाये रखने का एक अवसर

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान हाल ही में हुई बहस में 'वोट चोरी' और व्यापक चुनाव सुधारों का मुद्दा जिस गंभीरता से सभी पक्षों के सांसदों द्वारा उठाया गया, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के लिए इसे एक निर्णायक अवसर माना जा सकता है। मतदान प्रक्रिया पर बढ़ते सवाल, तकनीकी, पारदर्शिता को लेकर विपक्ष की आशंकाएँ निराधार नहीं है। चुनाव में अर्थतंत्र की भूमिका का असर, चुनाव के यह मुद्दे लंबे समय से देश की राजनीति और चुनाव में गहरी जड़ें जमा चुके हैं। इस बार संसद में जिस तीखेपन और स्पष्टता के साथ इन सभी प्रश्नों को सांसदों ने रखा है, उससे सरकार और चुनाव आयोग दोनों के ऊपर चुनाव में सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठाने का दबाव बनाने का काम किया है। चुनाव आयोग और सरकार की जवाबदेही तय करने की दिशा में संसद आगे बढ़ी है। बहस का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा, कि चर्चा में वोट चोरी मामले को लेकर सभी गंभीर दिखे। लगभग सभी दलों ने 'वोट चोरी' चुनाव में सरकार के 'अनुचित प्रभाव' तथा चुनाव आयोग का सत्ताधारी दल के प्रति समर्पण जैसे आरोपों की पृष्ठभूमि में चुनाव प्रक्रिया के भरोसे को लेकर विपक्ष की चिंता देखने लायक थी। विपक्ष ने हर बात को बड़ी सूक्ष्मता के साथ संसद में रखा है। इस बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तलखी देखने को मिली है। सरकार को घेरते हुए विपक्ष ने जिस तरह की एकजुटता मजबूती के साथ दिखाई है, उससे चुनाव आयोग और सरकार की परेशानी निश्चित रूप से बढ़ी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कुछ सदस्यों ने ईवीएम से जुड़ी पारदर्शिता को बढ़ाने, वीवीपैट की संख्या में वृद्धि करने, 100 फ़ीसदी मतपत्रों की गिनती करने, और स्वतंत्र ऑडिट की आवश्यकता पर जोर दिया है। संसद में विपक्ष के सदस्यों ने डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के बढ़ते खतरे का उल्लेख करते हुए मतदान प्रणालियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुधार करने एवं जवाबदेही तय करने की बात कही है। सदन में स्वीकार किया गया है, चुनावी सुधार केवल तकनीकी बदलावों तक सीमित नहीं हो सकते। काले धन और चुनावी खर्च की सीमा के उल्लंघन ने चुनाव को बुरी तरह से प्रभावित करते हुए लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ा है। राजनीतिक दलों के चुनावी चंदे में पारदर्शिता, चुनावी बॉन्ड, सरकारी खजाने से चुनाव के दौरान मतदाताओं के खाते में राशि ट्रांसफर करने एवं पैसे के बल पर चुनाव को प्रभावित करने, विवादित तंत्रों एवं पैसे के बल पर चुनाव को प्रभावित करने का उल्लेख संसद में करते हुए इनमें सुधार की मांग की गई है। उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड पर कड़े नियम बनाने के मांग और बहस ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। कई सदस्यों ने मांग दोहराई, दोषी राजनीतिक व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया को विकसित किया जाना जरूरी है।

वोट चोरी' से जुड़े आरोप लोकतंत्र में जनता के विश्वास को चोट पहुँचाते हैं। सदस्यों की मांग थी, संसद में उठे मुद्दों को केवल चर्चा और बहस की औपचारिकता नही माना जाए। संसद में चुनाव सुधार और वोट चोरी को लेकर जो चर्चा हुई है, उस पर तुरंत गंभीरता के साथ आधार बनाकर चुनावी प्रणाली को विश्वसनीय बनाने के लिए और चुनाव में लोगों का भरोसा बना रहे, उसके लिए आवश्यक परिवर्तन करने की जरूरत है। सरकार और चुनाव आयोग को सभी राजनीतिक दलों को भरोसे में लेकर चुनाव सुधार की दिशा में ठोस, समयबद्ध, पारदर्शी सुधार लागू किए जाने की दिशा में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। लोकतंत्र की शक्ति तभी सुरक्षित रह सकती है जब चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, विश्वासप्रद और भविष्य की तकनीकी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। इस पर सभी राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को विश्वास हो। संसद में हुई बहस ने देश को एक बड़ा संदेश दिया है। भारत सरकार और चुनाव आयोग के पास अब चुनाव सुधारों को टालने का विकल्प नहीं बचा है। जिस तरह के हालात पूरे देशभर में बने हैं। एसआईआर के बाद जिस तरह से मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। मतदाता सूची समय पर राजनीतिक दलों और आम जनता के समक्ष नहीं रखी जा रही है। मतदान के बाद जिस तरह से मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जाता है। वीवीपीएटी की मशीनों के पर्चियों की गणना नहीं की जाती है। उसके कारण राजनीतिक दलों और आम जनता का भरोसा चुनाव प्रक्रिया से खत्म होता जा रहा है। मतदाताओं का भरोसा पुनः मजबूत करने के लिए संसद में विपक्ष ने जिस तरह के सुझाव दिए हैं उन पर तुरंत सुधार किए जाने की जरूरत है। चुनाव आयोग की नियुक्ति और एसआईआर को चुनाव आयोग सरकार और न्यायपालिका की भूमिका को लेकर भी संसद में बहुत कुछ कहा गया है। जिस तरह से मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की गई है, न्यायपालिका से चुनाव से संबंधित मामलों की सुनवाई को लंबे समय तक टाला जा रहा है। उसके कारण चुनाव और चुनाव की विश्वसनीयता को लेकर लगातार शक-सुबहा बढ़ता ही चला जा रहा है। संसद में हुये इस विमर्श ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा न्यायपालिका को एक मौका दिया है। समय रहते इस पर सार्थक पहल हो जाती है तो लोगों का इस पर भरोसा बना रहेगा।

लिव इन रिलेशनशिप की कानूनी मान्यता रद्द करने की सरकार से मांग

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) मीरा चेरिटेबल ट्रस्ट,सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इनफॉरमेशन आधुनिकता के नाम पर लिव इन रिलेशनशिप की कानूनी मान्यता को रद्द करने की सरकार से मांग की है। मीरा चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इनफॉरमेशन के डायरेक्टर आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने कहा कि सांस्कृतिक, सामाजिक, वैवाहिक जीवन पद्धति तेजी से पतन के गर्त में जा रही है। भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने और सुखी सभ्य समाज व्यवस्था जो पतनोन्मुखी हो गई है,इसे सुधारने के लिए देशव्यापी जन आंदोलन को आरम्भ किया है। आचार्य सत्यनारायण ने अपने उद्बोधन में बताया कि रिश्ते कैसे होते हैं और कैसे बनाए जाते हैं। विवाह के प्रकार और विवाह व्यवस्था का अर्थ और महत्व स्पष्ट किया। लिव इन रिलेशनशिप को लागू करने के दुष्परिणाम विस्तार से बताए और इसमें पैदा होने वाले बच्चों का भविष्य कितना खराब होगा, यह जानकारी दी। लिव इन रिलेशनशिप की प्रथा की शुरुआत कैसे हुई, क्या-क्या कारण है, यह प्रथा समाज के लिए कितनी घातक है। यह जानकर पैरों तले जमीन सरक गई। समाज में होने वाले अनाचार, दुराचार और व्यभिचार को रोकने की जिम्मेदारी सरकार की है, सरकार इसमें नाकाम रहती है तो इसे ही वैध करार दिया जाता है। आचार्य सत्यनारायण ने सनातन धर्म के चारों आश्रम का पालन किया है और 79 वर्ष की आयु में संन्यासी रहते हुए भी संगीत गायन वादन और कथक नृत्य के साथ ही समाज की सेवा में लगे हुए हैं। 2 मई 2025 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्वारा उनको सम्मानित किया गया। यह बहुत बड़े महत्व की बात है कि भगवान से उन्हें विपश्यना की गहरी समाधि की अवस्था में यह आदेश मिला कि लिव इन रिलेशनशिप को समाप्त कराना है और भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक, वैवाहिक व्यवस्था को छिन्न भिन्न होने से बचाने के लिए आंदोलन करने का उत्तरदायित्व उनको दिया। उन्होंने कहा कि यदि यह बीमारी जो महामारी की तरफ फैल रही है, समय रहते नहीं रोकी गई और समाप्त नहीं किया तो हमारे देश को बर्बादी से कोई नहीं रोक पाएगा।

पाटोदिया ने प्रधानमंत्री जी को एक पत्र लिखा है और एक कानून बनाकर लिव इन रिलेशनशिप की कानूनन मान्यता को समाप्त करने हेतु प्रार्थना की है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 53वें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत शर्मा को भी अपील की है कि आप अपने स्वविवेक से प्रसंज्ञान लेकर लिव इन रिलेशनशिप की कानूनी मान्यता को समाप्त करने का पुण्य कार्य करें।

प्रदेश में किराए पर मकान-दुकान लेना हुआ महंगा, महीनेभर के लिए भी रजिस्ट्री जरूरी

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में मकान, फ्लैट, दुकान और जमीन (अचल संपत्ति) किराए पर देने पर किरायानामा रजिस्टर्ड करवाना जरूरी होगा। कानूनी विवाद की स्थिति में भवन के मालिक और किराएदार दोनों मुश्किल में पड़ सकते हैं। हाल ही में राज्य सरकार ने रजिस्ट्रीकरण नियम में संशोधन कर इसका प्रावधान किया है। नियमों के मुताबिक अब तक किरायानामा का रजिस्ट्रेशन 1 साल या उससे यादा की अवधि का होने पर ही किया जाता था। संपत्ति मालिक इस रजिस्ट्रेशन से बचने के लिए 11 माह का एग्रीमेंट बना लेते थे। इससे मकान मालिक और किराएदार रजिस्ट्री के पैसे देने से बच जाते थे। राज्य सरकार को रेवेन्यू का नुकसान होता था। अब सरकार ने 1 साल या उससे कम अवधि के लिए भी किराए पर दी जाने वाली संपत्ति के किरायानामे की रजिस्ट्री का प्रावधान कर दिया है।

अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग दर: नए नियम के मुताबिक किरायानामे की रजिस्ट्री में स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस की गणना भी अलग-अलग समयावधि के लिए अलग-अलग होगी।

11 माह तक अगर कोई संपत्ति किराए पर ली जाती है तो किरायानामा के लिए स्टाम्प ड्यूटी ली गई संपत्ति के बाजार मूल्य का 0.02 फीसदी की दर से लगेगी। वहीं, रजिस्ट्रेशन फीस कुल स्टाम्प ड्यूटी की कीमत के 20 फीसदी राशि के बराबर लगेगी।

30 साल या उससे 'यादा अवधि पर सामान्य रजिस्ट्री: अगर कोई संपत्ति 30 साल या उससे 'यादा समय के लिए किराए पर ली जाती है तो उसके किरायानामा की रजिस्ट्री एक सामान्य प्रॉपर्टी के खरीद-बेचान के समय होने वाली रजिस्ट्री की तरह ही होगी। इसका सभी चार्ज भी वैसे ही होंगे।

अब जानें- कैसे लगेगा रजिस्ट्री का चार्ज : उदाहरण के तौर पर किसी 200 वर्गमीटर की जमीन पर निर्मित मकान में से 100 वर्ग मीटर जमीन पर निर्मित 2 कमरे, किचन-लैटबाथ, हॉल समेत अन्य एरिया किराए पर 10 माह के लिए दिया जाता है, तो उस पर इस प्रकार से रजिस्ट्री का शुल्क लगेगा।

बचने का तरीका निकाल रखा है: अभी वर्तमान में मकान या दूसरी अचल संपत्ति के मालिक किरायानामा की रजिस्ट्री से बचने के लिए 500 रुपए के स्टाम्प पर किरायानामा तैयार करके उसे नोटरी से अटेस्टेड करवा लेते थे। क्योंकि साल से कम की अवधि के किरायनामा की रजिस्ट्री का प्रावधान नहीं था।

जयपुर में नकली घी का कारखाना पकड़ा, पुलिस ने मौके से आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस ने पैकिंग मशीनें बरामद की, ब्रांडेड के नाम पर तैयार कर करते सप्लाई

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। डीएसटी टीम जयपुर-उत्तर और पुलिस थाना जयसिंहपुराखोर ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार को मानपुर, सड़वा स्थित अफजल विहार कॉलोनी में चल रहे नकली घी के कारखाने पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में खुला नकली घी तैयार अवस्था में मिला। पुलिस ने मौके से मुख्य आरोपी हनीष (36) को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में उपकरण व ब्रांडेड पैकिंग सामग्री जब्त की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने टबों में भरा 1380 लीटर नकली घी, 194 लीटर महान घी, 450 लीटर सरस घी, 390 लीटर रिफाइंड सोयाबीन तेल, वनस्पति तेल, अमूल ब्रांड के 24 खाली टीन, कृष्णा घी के 3400 रैपर, महान घी के 1600 रैपर, 1400 पैकिंग थैलियां, सरस ब्रांड की 100 थैलियां सहित पाउच पैकिंग मशीन, इलेक्ट्रिक कांटा, बड़े भगौने, गैस सिलेंडर, चूल्हे व अन्य सामग्री बरामद की।

डीसीपी नॉर्थ करन शर्मा ने बताया- कुछ माफिया विभिन्न ब्रांड की पैकिंग में नकली घी तैयार कर बड़ी मात्रा में बाजार में बेच रहे थे। इस पर प्रभावी कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रथम नीरज पाठक और एसीपी आमेर सुरेन्द्र राणावत के सुपरविजन में डीएसटी प्रभारी दिलीप कुमार सोनी और थाना जयसिंहपुराखोर थानाधिकारी राजेश शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई।

आरोपी हनीष सुभाष शर्मा के साथ मिलकर नकली घी का निर्माण और बिक्री कर रहा था... पुलिस ने मौके से मुख्य आरोपी हनीष (36) पुत्र कल्लू खाँ, निवासी अफजल विहार कॉलोनी को गिरफ्तार किया। उसने पूछताछ में बताया कि वह सुभाष शर्मा नामक व्यक्ति के साथ मिलकर नकली घी निर्माण और बिक्री का कारोबार संचालित कर रहा था। इस संबंध में पुलिस थाना जयसिंहपुराखोर में बीएनएस, कॉपीराइट एक्ट और ट्रेड मार्क एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे अनुसंधान किया जा रहा है।

अफजल विहार कॉलोनी में नकली घी तैयार किया जा रहा था

मुखबिर सूचना एवं तकनीकी निगरानी के आधार पर टीम जब अफजल विहार कॉलोनी में पहुंची तो कारखाने में विभिन्न ब्रांड के नाम से नकली घी तैयार किया जा रहा था। मौके पर बुलाए गए जयपुर डेयरी के प्रयोगशाला सहायक सुमित कुवांडा ने जांच में पुष्टि की कि बरामद घी डेयरी का मूल उत्पाद नहीं है और पैकिंग भी असली पैकिंग से भिन्न है।

आरएएस अभ्यर्थी को कार ने कुचला, मौत

जयपुर। जयपुर की बरकत नगर इलाके की संकरी गलियों में सोमवार की रात एक भयानक हादसा हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार ने चार वाहनों को टक्कर मार दी। कार की स्पीड 90-95 किमी प्रति घंटा बताई जा रही है, जिसमें बाइक सवार युवक सुनील (23) की मौके पर ही मौत हो गई। सुनील का जन्मदिन 16 दिसंबर को था, लेकिन किस्मत ने उससे पहले ही सब कुछ छीन लिया। इस हादसे में एक बाइक कैब ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक सुनील चूरू का निवासी था। घटना का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। बजाज नगर थाना प्रभारी पूनम चौधरी ने बताया कि यह हादसा बरकत नगर चौराहे के पास लक्ष्मी स्वीट्स के नजदीक हुआ। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है उसके आधार पर जांच की जा रही है। बजाजनगर पुलिस ने कार नंबर के आधार पर वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सुनील के भाई मनफूल ने शिकायत में बताया कि सुनील जयपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह ट्रेन से जयपुर आया था और बाइक कैब से गोपालपुरा स्थित अपने पीजी जा रहा था। तभी यह हादसा हुआ। हादसे वाली कार में एक महिला समेत तीन लोग सवार थे छोटे भाई मनफूल ने कहा कि सुनील एक होनहार छात्र था, जिसने वीडियो समेत कई परीक्षाएं पास की थीं। वह दो बार आरएएस प्री परीक्षा भी पास कर चुका था और मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहा था। मनफूल ने बताया कि 15 दिन पहले ही सुनील की छोटी बहन की शादी हुई थी, जिसके लिए वह चूरू गया था। मनफूल ने बताया कि सुनील के पिता सीताराम (43) किसान हैं, और मां सुमन देवी (40) घर संभालने के साथ खेती में मदद करती हैं। परिवार में 21 नवंबर को बड़ी बहन की शादी हुई थी, और सुनील का जन्मदिन 16 दिसंबर को आने वाला था।

जोधपुर-साबरमती, जयपुर-मारवाड़ समेत कई ट्रेनें रद्द

जयपुर। अजमेर मंडल के अलग अलग रूट्स पर तकनीकी काम के चलते 11से 13 दिसंबर के बीच जोधपुर साबरमती(अप एंड डाउन) और जयपुर मारवाड़ (अप एंड डाउन) कैंसिल रहेंगी। कई ट्रेनों को आंशिक रद्द करने के साथ डायवर्ट रूट से चलाया जाएगा। वहीं कई गाड़ियां अपने स्टार्टिंग स्टेशन से लेट रवाना होंगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया - अजमेर मदार रेलखंड और मदार पालनपुर रूट पर आरयूबी निर्माण और आरसीसी बॉक्स डालने का काम किया जाएगा। ऐसे में इस रूट से गुजरने वाली 4 ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। वहीं कुछ ट्रेनों को बदले हुए रूट से चलाया जाएगा।

ये ट्रेनें रद्द रहेंगी... ट्रेन नंबर 14821 जोधपुर-साबरमती 11 और 12 दिसंबर को कैंसिल रहेगी। ट्रेन नंबर 14822 साबरमती-जोधपुर 12 और 13 दिसंबर को कैंसिल रहेगी। ट्रेन नंबर 19735, जयपुर-मारवाड़ जंक्शन, 12 दिसंबर को रद्द रहेगी। ट्रेन नंबर 19736, मारवाड़ जंक्शन - जयपुर, 12 दिसंबर को रद्द रहेगी।

आंशिक रद्द ट्रेनें (प्रारम्भिक स्टेशन से ट्रेन नंबर 59602, मारवाड़ जंक्शन - अजमेर, 12 दिसंबर को दौराई तक ही चलेगी। यह ट्रेन दौराई - अजमेर के बीच कैंसिल रहेगी। ट्रेन नंबर 59601, अजमेर - मारवाड़ जंक्शन, 12 दिसंबर को अजमेर से नहीं चलेगी, इसकी शुरुआत दौराई से होगी। यह ट्रेन अजमेर - दौराई के बीच कैंसिल रहेगी।

डायवर्ट (रूट बदलकर) ट्रेनेंड ट्रेन नंबर 20943 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी 11 दिसंबर को बांद्रा टर्मिनस से बदले हुए रास्ते मेहसाणा-भीलड़ी-लूनी होकर चलेगी।

बॉलीवुड-एक्टर प्रेम चोपड़ा का जयपुर के डॉक्टर ने किया इलाज

मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में बिना सर्जरी हार्ट वाल्व बदला

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। बॉलीवुड फिल्मों के फेमस और वरिष्ठ अभिनेता प्रेम चोपड़ा का दिल की वाल्व बदलने का टावी उपचार मुंबई के लीलावती अस्पताल में सफल रहा। चोपड़ा का इलाज जयपुर के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ। रवीन्द्र सिंह राव ने किया। डॉ। रवीन्द्र राव देश में दिल की वाल्व से जुड़ी बीमारियों के ऐसे विशेषज्ञ माने जाते हैं। डॉ. रवीन्द्र सिंह राव ने बताया कि प्रेम चोपड़ा को उम्र बढ़ने के कारण हार्ट के वाल्व में सिकुड़न की समस्या थी, जिससे उन्हें सांस लेने में परेशानी और कमजोरी बढ़ रही थी। उम्र 'यादा होने के कारण उनकी ओपन सर्जरी संभव नहीं थी, इसीलिए नॉन सर्जिकल तकनीक द्वारा उनके हार्ट के एओर्टिक वाल्व को बदला गया। प्रोसीजर के बाद उनकी हालत ठीक बताई गई है।

प्रेम चोपड़ा के दामाद और अभिनेता शर्मन जोशी ने बताया कि हमारी ओर से पूरे परिवार की तरफ से मैं दिल से धन्यवाद और आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मेरे ससुर प्रेम चोपड़ा को जो बेहतरीन उपचार मिला, उसके लिए दिल से शुक्रिया। यह हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ। नितिन गोकले और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ। रविन्द्र सिंह राव के कारण संभव हो पाया। उन्हें को गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस की समस्या थी। डॉ।रवीन्द्र राव ने बिना ओपन हार्ट सर्जरी किए सफलतापूर्वक टावी प्रक्रिया की और नया वाल्व लगा दिया। आज पिताजी घर पर हैं और पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं।

जानिए क्या है टावी इलाज

डॉ. रवीन्द्र ने बताया कि टावी एक आधुनिक तरीका है, जिसमें बिना सीना चीरे नई वाल्व लगाई जाती है। इसमें शरीर के किसी हिस्से से पतली नली अंदर ले जाकर खराब वाल्व की जगह नई वाल्व लगा दी जाती है। यानी बड़ा चीरा, 'यादा दर्द या लंबी बेहोशी की जरूरत नहीं होती। 'यादा उम्र में सामान्य दिल की सर्जरी का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए टावी 'यादा सुरक्षित माना जाता है। इस उपचार से जल्दी आराम मिलता है, अस्पताल में कम दिन रहना पड़ता है, सांस फूलने और थकान में जल्दी सुधार होता है और मरीज जल्दी अपने कामकाज पर लौट सकता है।

डॉक्टर रवीन्द्र सिंह राव का कहना है कि देश में बढ़ती उम्र के लोगों में दिल की वाल्व खराब होने की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में समय रहते जांच और उचित उपचार, खासकर टावी जैसा तरीका, जीवन बचाने में बहुत मदद करता है।

एक्टर प्रेम चोपड़ा का जन्म पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। बंटवारे के समय उनका परिवार भारत आ गया।

अरिहंत ग्लोबल ने मनाया 12वाँ वार्षिकोत्सव

'मिशन 100 थीम' के साथ ऊर्जा से भरपूर भव्य उत्सव बढ़ता राजस्थान

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। डिजिटल सेवाओं, मोबाइल संचार सुविधाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों में अग्रणी संस्था अरिहंत ग्लोबल ने इस वर्ष अपना 12वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत जोश, उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय 'मिशन 100 थीम (0प्रतिशत एक्सक्यूज, 100प्रतिशत एक्सीलेंस)ऊर्जा के साथ उत्सव' रखा गया, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में अधिक अनुभवी मेंटर्स, सदस्यों द्वारा सशक्त, प्रशिक्षित और ऊर्जावान टीम का निर्माण करना, डिजिटल रोजगार सृजन, फ्रेंचाइजी सेगमेंट में प्रवेश करना है। यह भव्य समारोह काश्वी बैंक्वेट, खंडेलवाल ढाबेवाला, जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ संस्था के सभी कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय व उल्लासपूर्ण हो गया।

समारोह में उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित अतिथियों- डॉ. अरुण अग्रवाल, जगदीश सोमानी, मनीष जैन, अंकुर जोशी, मुकुल गोस्वामी, प्रो. त्रिलोक जैन एवं गौमाता सेवार्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों-ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों ने अरिहंत ग्लोबल की 12 वर्षों की विकास यात्रा, टीम-संस्कृति, नवाचार तथा समाज के प्रति योगदान की सराहना की।

संस्थान के संस्थापक राहुल कुमार जैन और सुनीता जैन ने अपने उद्बोधन में अरिहंत ग्लोबल द्वारा विकसित किए गए अनेक प्रमुख डिजिटल मंचों और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि- मानव इन्वाइट्स, संचार मंच सेवाएँ (सी-पा.एस प्रकार की सेवाएँ) तथा अन्य डिजिटल समाधान, पिछले वर्षों में अनेक संगठनों, संस्थानों और ग्राहकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। उन्होंने इस अवसर पर इस वर्ष प्रारंभ किए गए डिजिटल एम्पावरमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम के बारे में भी विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से नवउद्यमियों (स्टार्टअप्स), लघु और मध्यम उद्योगों, युवाओं के कौशल विकास, और तकनीकी दक्षता बढ़ाने, के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य है युवाओं, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर उन्हें रोजगार सृजन, व्यवसाय विस्तार और राष्ट्र निर्माण में सक्षम बनाना।

वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष का वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान राशिका शर्मा को उनके समर्पण, रचनात्मकता और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में विनोद कुमावत, अंकुर सिंह, अंकित जैन, लोकेश मेहरा, आयुषी पाटनी, शैलेन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, अमित गौतम, संजय कंवरिया तथा रवीना जांगिड़-को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का समापन मिशन 100 थीम के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ सभी अतिथियों, टीम सदस्यों और उनके परिवारों ने एकजुट होकर भविष्य में नई ऊर्जा, नए नवाचार और मजबूत टीमभावना के साथ और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय किया।

इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने देश की समस्याओं के निकाले समाधान

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के सॉफ्टवेयर एडिशन में पहुंची देशभर की टीमें, 36 घंटे लगातार किया काम

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथन (एसकेआईटी), जयपुर ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2025-सॉफ्टवेयर एडिशन के ग्रैंड फिनाले का सफल आयोजन और समापन किया। दिनभर चली गतिविधियों में देशभर से आए प्रतिभागियों ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के एनसीवीईटी द्वारा दिए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर आधारित नए समाधान प्रस्तुत किए। ये समाधान प्रतिभागियों द्वारा कैंपस में आयोजित 36 घंटे के गहन हैकाथॉन के दौरान विकसित किए गए थे। दोपहर में एआईसीटीई मुख्यालय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत के युवाओं से कम लागत, टिकाऊ और कुशल समाधान की उम्मीद कर रही है।

इसके बाद शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने विभिन्न नोडल केंद्रों से वर्चुअल रूप से एसआईएच टीमों से संवाद किया। उन्होंने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर जोर देते हुए छात्रों को देश की सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों की मेहनत, शोध और समस्या-समाधान क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारत ज्ञान का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वैलेडिक्ट्री समारोह और सम्मान: शाम को वैलेडिक्ट्री समारोह का शुभारंभ एसकेआईटी निदेशक जयपाल मील के स्वागत संबोधन से हुआ। मुख्य अतिथि मंजू मीणा विशिष्ट अतिथि प्रो। पुनीत शर्मा का सम्मान किया गया। इसके बाद नीलम चौधरी ने एसआईएच-2025 की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें मजबूत भागीदारी, उत्कृष्ट प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण समाधानों को रेखांकित किया गया।

चार विजेता टीमों ने जीता 1.5-1.5 लाख का पुरस्कार

पुरस्कार वितरण समारोह में एनसीवीईटी के प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर काम करने वाली चार टीमों को विजेता घोषित किया गया।

1. टीम GenSi & प्रोजेक्ट: ब्लॉकचेन आधारित स्किल क्रेडेंशियलिंग सिस्टम (पीएस 25200) यह प्रणाली ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके कौशल प्रमाणपत्रों को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संग्रहित व सत्यापित करने के लिए विकसित की गई है।

2. टीम EcoBridges प्रोजेक्ट: आईओटी और एआई-सक्षम स्किल ट्रेनिंग उपकरण मॉनिटरिंग सिस्टम (पीएस 25201) यह समाधान प्रशिक्षण उपकरणों की निगरानी और विश्लेषण के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करता है।

3. टीम STATUS 200 प्रोजेक्ट: माइक्रो-क्रेडेंशियल एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म (पीएस 25202) यह प्लेटफॉर्म विभिन्न स्रोतों से माइक्रो-क्रेडेंशियल्स (लघु कौशल प्रमाणपत्र) को एक ही स्थान पर उपलब्ध और व्यवस्थित करता है।

4. टीम BinaryDNF प्रोजेक्ट: स्किल कोर्सेज के लिए एआई आधारित बहुभाषी कंटेंट स्थानीयकरण इंजन(पीएस 25203) यह इंजन स्किल कोर्स से संबंधित कंटेंट को एआई की मदद से विभिन्न भाषाओं में अनुकूलित करता है, जिससे सीखना आसान और सुलभ बनता है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. पुनीत शर्मा सहित अन्य वक्ताओं ने युवाओं को इनोवेशन और वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए ऐसा मंच उपलब्ध कराने हेतु एसकेआईटी के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि मंजू मीणा ने एसआईएच को अकादमिक जगत, उद्योग और सरकार को एक मंच पर लाने वाली ऐतिहासिक पहल बताया। समारोह का समापन सुभरोजीत गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने एआईसीटीई, शिक्षा मंत्रालय, एनसीवीईटी, मेंटर्स, यूरी, आयोजन समिति, स्वयंसेवकों और सभी प्रतिभागी टीमों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने एसआईएच-2025 को एसकेआईटी, जयपुर में बेहद सफल बनाया।

प्रदेश के 18 जिलों का पारा 10 डिग्री से नीचे

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। राज्य के 18 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हुआ है। सीकर, फतेहपुर, नागौर, माउंट आबू समेत कई शहरों में कल न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक की गिरावट हुई। सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री सेल्सियस फतेहपुर में दर्ज हुआ। तेज सर्दी 12 दिसंबर से कम होगी। उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा, जिसके प्रभाव से राजस्थान में आ रही उत्तरी हवा न केवल कमजोर होगी, बल्कि राज्य के कुछ हिस्सों में बादल भी छा सकते हैं। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री तक चढ़ सकता है। फतेहपुर के अलावा हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर के पास लूणकरणसर में 4.9, नागौर में 4.3, चूरू में 6.3, करौली में 5.9, दौसा में 5.3, सिरोही में 7.3, सीकर में 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन सभी शहरों में मंगलवार सुबह-शाम कड़ाके की सर्दी रही। शेखावाटी के एरिया में कोल्ड-वेव का हल्का असर रहा। इधर जयपुर, चित्तौड़गढ़, झुंझुनूं समेत अन्य कुछ शहरों में भी तापमान में गिरावट दर्ज हुई।

दिन में आसमान साफ रहने से निकाली तेज धूप: राजस्थान में इन दिनों आसमान साफ होने और ऊंचाई पर हवाएं अ'छी चलने से आसमान बिल्कुल साफ रहने लगा है। इस कारण यहां सभी शहरों में सुबह सूरज निकलने के साथ ही तेज धूप रहने लगती है।

प्रवासी राजस्थानी दिवस: 'खाली कुर्सियों' पर भिड़े सरकार-कांग्रेस

मंत्री राज्यवर्धन सिंह बोले... ऐसे लोगों को सिर्फ कुर्सियां दिखती हैं

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राज्य में पहली बार आयोजित हुए प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम में अब खाली कुर्सियों को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम में खाली कुर्सियों का मुद्दा उठाया तो पलटवार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और जोगाराम पटेल उतर आए। बुधवार को जेईसीसी में मीडिया से बात करते हुए राठौड़ और पटेल ने कहा कि जिन्होंने शासन ही कुर्सियों को लेकर किया हो, उन्हें अच्छे काम में भी खाली कुर्सियां नजर आती हैं। राजस्थान में निवेश के द्वार खुल रहे हैं और विपक्ष इस पर भी राजनीति कर रहा है, जो निंदनीय है।

कैबिनेट मंत्री राठौड़ ने कहा कि जिनकी आदत कुर्सियों की पड़ी हुई है, वे सिर्फ कुर्सियां ही देखते हैं। राजस्थान में पहली बार प्रवासी राजस्थान दिवस आयोजित किया गया। देश-विदेश से हजारों की संख्या में प्रवासी राजस्थानी आए हैं। राजस्थान में निवेश के द्वार खुल रहे हैं और विपक्ष खाली कुर्सियों को लेकर ओछी राजनीति कर रहा है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं की नजर सिर्फ कुर्सियों पर होती है। राजस्थान आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है, उस पर उनकी नजर नहीं है। राजस्थान में निवेश का एक माहौल बन रहा है और विपक्ष अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगा है।

कार्यस्थल खचाखच भरा हुआ: संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने फर्जी तरीके से खाली कुर्सियों की फोटो के साथ प्रवासी राजस्थानी दिवस की आलोचना की, जो बहुत निंदनीय है। आयोजन स्थल खचाखच भरा हुआ था। कार्यक्रम में कहीं पर भी कोई खाली कुर्सी नहीं थी। विपक्ष के आरोप झूठे हैं। छह हजार से ज्यादा प्रवासी राजस्थानी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस तरह के आयोजन पर राजनीतिक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। यह राजनीतिक बयानबाजी का मंच नहीं, बल्कि राजस्थान के विकास का मंच था।

ये कहा था डोटासरा ने: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रवासी राजस्थान दिवस को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था। इस पर उन्होंने लिखा था कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के रूथ का ढोल पीटने वाली भाजपा सरकार जमीन पर 3 लाख करोड़ का काम भी शुरू नहीं करा सकी। यह सरकार 2 साल में एक भी जनकल्याणकारी नीति नहीं बना पाई, वो 1 दिन में 10 नई नीतियां और ग्लोबल इकॉनमी हब का फरेबी सपना बेच रही है।

150 करोड़ के खेलो इंडिया गेम्स के बाद करोड़ों की इवेंटबाजी में डूबा प्रवासी राजस्थान समारोह भी फ्लॉप शो साबित हुआ, जहां निवेशकों के नाम पर केवल मंत्री, सांसद, अफसर और कर्मचारियों की भीड़ दिखाकर भी खाली कुर्सियां नहीं भर पाईं। झूठी आंकड़ेबाजी में माहिर इस सरकार ने आज फिर मुख्यमंत्री के भाषण में 8 लाख करोड़ निवेश से लेकर यमुना जल समझौते की छक्कबनने, श्क्रष्टकके 26 हजार करोड़ के काम, मंगला पशु बीमा जैसे हवा-हवाई अनेक दावे दोहराए, जिनका धरातल से कोई लेना-देना नहीं।

खबरें-फटाफट...

परीक्षा फॉर्म तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

डीडवाना। (आस-पास ब्यूरो) राजकीय बांगड़ महाविद्यालय के एमए, एम कॉम(प्रीवियस/फाइनल) नियमित एवं प्राइवेट विद्यार्थियों तथा बीए, बीकॉम, बीएससी द्वितीय वर्ष और फाइनल वर्ष के उन विद्यार्थियों जो पूर्व में फेल हो गए थे और जिनका सेमेस्टर सिस्टम लागू नहीं था, के लिए एग्ज़ाम फॉर्म तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर कुल सचिव के नाम एक ज्ञापन प्राचार्य बांगड़ महाविद्यालय को सौंपा गया। विद्यार्थी प्रतिनिधियों ने बताया कि कई छात्र आर्थिक व तकनीकी कारणों से समय पर एग्ज़ाम फॉर्म भरने से वंचित रह गए हैं। ऐसे में अंतिम अवसर प्रदान करने से सभी विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने का समान मौका मिलेगा। विद्यार्थियों ने प्रशासन से मांग की कि एग्ज़ाम फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए, ताकि कोई भी विद्यार्थी परीक्षा देने से वंचित न रहे। इस दौरान पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष हरलाल बरवड़, छात्र प्रतिनिधि तनवीर कुमार, छात्र नेता परवेज खान, नवदीप बाकोलिया, चिंटू दयालपुरा, लोकेश, मनोज आदि मौजूद रहे।

आंवला कंस्ट्रक्शन पर खड़े ट्रेक्टर की बेटरी चोरी

अज्ञात चोरो ने दिया चोरी की वारदात को अंजाम

बोरावड़।(आस पास ब्यूरो) मंगलवार रात्री को शहर के सबलपुर रोड़ स्थित गीगा बाबा के बेरा के सामने स्थित गणपति नगर में आंवला कंस्ट्रक्शन कम्पनी के आफिस के बाहर खड़े ट्रेक्टर पर लगी बेटरी अज्ञात चोर ले गये। आपको बता दे की शहर में गाड़ियों से बेटरी चोरी,तेल चोरी आम बात हो गई है। आंवला कंस्ट्रक्शन के मालिक रतना राम आंवला ने बताया की बुधवार सुबह जब वे आफिस पहुंचे तो ट्रेक्टर का सैफ खुला पड़ा था व उसकी बेटरी गायब थी। इसकी सुचना मेने बोरावड़ पुलिस चौकी व मकराना पुलिस थाने पर दी जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची व मौका देखा। आसपास के सी सी टीवी कैमरे देखने पर पता चला की दो लोग मोटर साइकिल से रात करीब 12 बजकर 45 मीनट के करीब यहां आये थे। और चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए बेटरी चुरा कर ले गये। आंवला ने बताया की उक्त चोरी के मामले की रिपोर्ट देकर अज्ञात चोरो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं आंवला ने बताया की इस रोड़ पर लगी रोड़ लाइट भी बंद रहती है जिसके चलते चोरो के हौसले बुलंद है।

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

डीडवाना। (आस पास ब्यूरो) राजकीय कन्या महाविद्यालय डीडवाना में पिछले एक माह से संचालित रानी लक्ष्मीबाई प्रशिक्षण केन्द्र के आत्मरक्षा शिविर का बुधवार को प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के साथ सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस एक माह के प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं ने आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सीखे जिससे उनके आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि हुई है। शिविर का संचालन प्रशिक्षकों सुमन बेनीवाल, शर्मिला प्रजापत और निरमा ढ़ाका के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजकीय बांगड़ महाविद्यालय,डीडवाना की प्राचार्य डॉ. मनीषा गोदारा रहीं। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मबल से छात्राओं के अन्दर आत्मविश्वास बढ़ता है, जो उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। उन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली सभी छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. गोदारा ने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की घोषणा की जिसे छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सराहा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने आत्मरक्षा से सम्बंधित अपने अनुभव साझा किए और इस प्रशिक्षण को अपने लिए अत्यंत लाभदायक बताया। इस अवसर पर राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. इरसाद अली खां, प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक सुमन गोदारा सहित सुनीता, मोनिका चैधरी और डॉ. अन्तिमा अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी ने छात्राओं के जज्बे की सराहना की और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गोविन्द व्यास बने दाधीच ब्राह्मण महासभा के प्रदेश मंत्री

डीडवाना। (आस-पास ब्यूरो) अखिल भारतवर्षीय दाहिमा(दाधीच) ब्राह्मण महासभा ने समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने वाले गोविन्द व्यास को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। महासभा की ओर से जारी एक आधिकारिक पत्र के अनुसार गोविन्द व्यास को राजस्थान प्रदेश मंत्री के पद पर मनोनीत किया गया है। डीडवाना के कोट मोहल्ला निवासी सुकदेव प्रसाद व्यास के सुपुत्र गोविन्द व्यास को समाज के प्रति उनकी निष्ठा और सक्रिय भागीदारी को देखते हुए इस पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने व्यास को शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा व्यक्त की है कि वे संगठन के सिद्धांतों और मर्यादा का पालन करते हुए पूरी ईमानदारी और निस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। महासभा ने जारी पत्र में कहा है कि व्यास समाज हित के कार्यों को गति देने और संगठन को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। व्यास के मनोनयन पर दाहिमा समाज के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों सहित अनेक लोगों ने आभार व्यक्त किया है। यह नियुक्ति दाहिमा ब्राह्मण महासभा के संगठनात्मक ढांचे को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बियानी कॉलेज ऑफ़ साइंस एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने ग्रामीण भारत को बनाया स्वस्थ और जागरूक

उन्नत भारत अभियान के तहत पचार एवं कालवाड़ गाँव में नुक्कड़ नाटक, सर्वे और राहत सामग्री वितरण

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। बियानी कॉलेज ऑफ़ साइंस एंड मैनेजमेंट के उन्नत भारत अभियान क्लब ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रियता दिखाई। उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निखिल चतुर्वेदी के नेतृत्व में कॉलेज के स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने जयपुर के निकटवर्ती पचार एवं कालवाड़ गाँवों में स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक सर्वेक्षण और ज़रूरतमंदों को राहत सामग्री वितरण जैसी कई सार्थक गतिविधियाँ आयोजित कीं।

इसकी शुरुआत स्वयंसेवकों ने स्वस्थ भारत, स्वस्थ युवा थीम पर पचार गाँव में एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, पौष्टिक आहार और वेलनेस के सरल उपायों पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। दर्शकों ने तालियाँ बजाकर प्रस्तुति की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कई लोगों ने तुरंत अपने दैनिक जीवन में बदलाव करने का संकल्प लिया।

नुक्कड़ नाटक के बाद छात्रों ने उन्नत भारत अभियान के तहत घर-घर सर्वे किया। इस सर्वे में गाँव के निवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, रोज़गार के साधन और अन्य विकास संबंधी ज़रूरतों की विस्तृत जानकारी एकत्र की गई। इस प्रक्रिया से छात्रों को किताबी ज्ञान से परे ग्रामीण भारत की वास्तविक चुनौतियों को करीब से समझने का अवसर मिला।

दूसरी गतिविधि कालवाड़ गाँव में आयोजित की गई। यहाँ उन्नत भारत अभियान की टीम ने आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के घरों का दौरा किया तथा उन्हें सैनिटरी नैपकिन, बिस्किट, वेफर्स और अन्य ज़रूरी दैनिक उपयोग की वस्तुएँ वितरित कीं। लाभार्थियों के चेहरों पर आई मुस्कान और उनके आशीर्वाद ने स्वयंसेवकों के मन में सेवा भाव को और मजबूत कर दिया।

उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निखिल चतुर्वेदी ने कहा, हमारे छात्र न केवल पढ़ रहे हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान भी दे रहे हैं। ऐसे आयोजन उन्हें संवेदनशील, जिम्मेदार और समावेशी नागरिक बनाते हैं। बियानी कॉलेज का उन्नत भारत अभियान क्लब लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सशक्तिकरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। इस तरह की पहलकदमियाँ प्रधानमंत्री के 'उन्नत भारत अभियान' के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही हैं।

भारत विकास परिषद् के तत्वावधान में हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता 14 को

■ आस-पास ब्यूरो

डीडवाना। भारत विकास परिषद् राजस्थान उत्तर प्रांत की शाखा डीडवाना द्वारा हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का शाखा स्तरीय चरण 14 दिसम्बर रविवार प्रात: 11¬15 बजे पंडित बच्छराज व्यास आदर्श विद्यामंदिर डीडवाना में आयोजित किया जाएगा। शाखा मीडिया प्रभारी लोकेश अग्रवाल ने बताया कि भारत विकास परिषद् के तत्वावधान में वर्षभर में संस्कार व संस्कृति से संबंधित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं उसी के तहत हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। शाखा अध्यक्ष डॉ. गजादान चारण ने बताया कि प्रतियोगिता का फोल्डर डीडवाना शहर के सभी महाविद्यालयों को भेज दिया गया है तथा प्रत्येक संस्थान से एक दल को आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को सहज एवं सुगम बनाया है निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को संवाद, अभिव्यक्ति, तर्क और विचार-प्रतिस्पर्धा जैसे मंचों से जोड़ना परिषद का मूल उद्देश्य है। उन्होने बताया कि इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक संस्कार विनोद सेन का सानिध्य प्राप्त होगा। शाखा संयोजक संस्कार ममता मोट ने बताया कि वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और विश्लेषणात्मक सोच विकसित करती हैं। उन्होंने परिषद की शाखाओं से अपेक्षा की कि वे अधिकाधिक विद्यार्थियों को समाजोपयोगी गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास करें। प्रभारी विवेक शर्मा ने प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया कि शाखा स्तर पर चयनित पक्ष एवं विपक्ष के विजेता प्रतिभागी प्रांत स्तर पर डीडवाना शाखा का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं से चयनित टीम रीजन(उत्तरङ्गपश्चिम क्षेत्र) के लिए आगे बढ़ेगी और रीजन का विजेता दल राष्ट्रीय मंच पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगा। शाखा सचिव सुरेन्द्र सोनी ने नियमावली की जानकारी देते हुए बताया कि केवल नियमित विद्यार्थी ही भाग ले सकेंगे और प्रत्येक प्रतिभागी को पाँच मिनट का समय दिया जाएगा। संस्थान प्रमुख से स्वीकृत अधिकृत-पत्र और परिचय-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा। निष्पक्षता और अनुशासन परिषद की प्राथमिकता रहेगी तथा निर्णायकों का निर्णय अंतिम माना जाएगा। शाखा वित्तसचिव बालमुकुंद बगड़िया ने पुरस्कार विवरण का बताते हुए कहा कि वैयक्तिक पुरस्कार के रूप में प्रथम 1500, द्वितीय 1100 और तृतीय 750 दिए जाएंगे। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

नरेश मीणा ने 'भगत सेना' नाम से बनाया संगठन

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। अंता सीट से चुनाव हार चुके निर्दलीय उम्मीदवार व पूर्व छात्र नेता नरेश मीणा ने भगत सिंह सेना के नाम से नया संगठन बनाया है। नरेश मीणा ने पंजाब में शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कला से इसकी घोषणा की है। अब इस संगठन के बैनर तले नरेश मीणा सभी कार्यक्रम करेंगे। मीणा ने इसकी मेंबरशिप शुरू करने का भी ऐलान किया है। नरेश मीणा ने कहा- यह संगठन कैडर बेस ऑर्गेनाइजेशन के रूप में काम करेगा। यह संगठन भगतसिंह की विचारधारा, क्रांतिकारी सोच और सामाजिक बदलाव के संकल्प को लोगों तक पहुंचाने के मकसद से बनाया गया है। जब देश का हर युवा भगत सिंह के विचारों को अपनाएगा। तब ही स'चा सामाजिक बदलाव संभव होगा। नरेश मीणा ने कहा- उनके संगठन का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक आवाज उठाना है। संगठन के हर सदस्य का संकल्प होगा कि जहां भ्रष्टाचार दिखेगा, वहीं आवाज गूंजेगी। यह संगठन नशा मुक्त समाज का अभियान छेड़ेगा। स्मैक, चरस, गांजा, शराब सहित हर तरीके के नशे के खिलाफ जागरूकता और सामाजिक कार्रवाई होगी। गांवों में शिक्षा का प्रसार करने के लिए स्टडी सेंटर, कोचिंग क्लास, लाइब्रेरी और ग्रामीण शिक्षा अभियान को बढ़ावा दिया जाएगा।

नरेश मीणा ने प्रशांत किशोर और किसान नेताओं से मुलाकात की

नरेश मीणा ने दिल्ली में प्रशांत किशोर से मुलाकात कर नए संगठन पर चर्चा की। इससे पहले पंजाब में किसान आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक और भारतीय किसान एकता उंगराह के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उंगराह से मुलाकात की।

अजमेर दरगाह पर पीएम मोदी के चादर भेजने पर रोक की मांग, कोर्ट में दायर हुई याचिका

■ आस-पास ब्यूरो

अजमेर। अजमेर दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करने वाले हिंदू राष्ट्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने बुधवार (10 दिसंबर) को अजमेर न्यायालय में महत्वपूर्ण याचिका दायर की। उन्होंने उर्स के दौरान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिला कलक्टर सहित संवैधानिक पदों से भेजी जाने वाली चादर पर रोक लगाने की मांग की है। गुप्ता का कहना है कि अल्पसंख्यक मंत्रालय खुद इस प्रकरण का एक पक्ष है और उसी विभाग की ओर से चादर भेजना निष्पक्षता पर प्रश्न खड़ा करता है। उनके अनुसार सोशल मीडिया पर इन चादरों की तस्वीरें और समाचार भी प्रकाशित होते हैं, जिससे दरगाह में शिव मंदिर होने के उनके दावे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसी वजह से उन्होंने न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है। विष्णु गुप्ता के अनुसार अदालत ने मामले को गंभीरता से सुना और अपने आदेश को रिज़र्व रख लिया है। गुप्ता ने कहा कि उर्स शुरू होने वाला है, ऐसे में यदि संवैधानिक पदों से चादर भेजी गई तो उनके प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा और बाद में यह मामला सुनने का कोई औचित्य नहीं बचेगा। उन्होंने अदालत से शीघ्र निर्णय देने की अपील की है। गुप्ता ने बताया कि उन्हें अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश से सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है।

मामला विचाराधीन है तो चादर चढ़ाना उचित नहीं

गुप्ता ने कहा कि जब तक दरगाह में शिव मंदिर होने का मामला अदालत में विचाराधीन है, तब तक किसी भी संवैधानिक पद से चादर चढ़ाना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पीएम, सीएम और डीएम समेत कई संवैधानिक पदों से उर्स में चादर भेजने की तैयारियां हैं, जिससे उनके दावे को नुकसान पहुंचेगा। गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ख्वाजा साहब की 'भक्त' नहीं, बल्कि राजनीतिक परंपरा निभाने के लिए चादर भेजती है। फिलहाल अदालत के निर्णय का इंतजार है, जिससे अगली दिशा तय होगी।

हेलमेट पहनें-जीवन बचाएं शपथ अभियान बना प्रदेशव्यापी जनआंदोलन

21 लाख विद्यार्थियों ने उठाया सुरक्षा का संकल्प, वेब वर्ल्ड रिकॉर्ड में हुआ दर्ज

■ आस-पास ब्यूरो

डीडवाना। (लोकेश अग्रवाल)। राजस्थान में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और युवाओं को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रक्तकोष फाउंडेशन द्वारा आयोजित ध्हेलमेट पहनें-जीवन बचाएं' मेगा शपथ अभियान ने जनभागीदारी के साथ इतिहास रच गया जो वेब वर्ल्ड रिकॉर्ड में सड़क सुरक्षा शपथ के क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा अभियान के रूप में दर्ज किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं रक्तकोष फाउंडेशन के संस्थापक आईएएस डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। अभियान की व्यापकता और प्रभाव को देखते हुए शिक्षा विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ जिसने इसे राज्यव्यापी सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अभियान प्रभारी मनोज सुथार ने बताया कि यह राज्यव्यापी अभियान 29 नवंबर से प्रारंभ होकर 6 दिसंबर को संपन्न हुआ इस अवधि में प्रदेशभर के 16,437 शिक्षण संस्थानों के 21 लाख 44 हज़ार 687 विद्यार्थियों ने हेलमेट को जीवन रक्षा कवच मानते हुए शपथ ली। इस शपथ अभियान में प्रथम स्थान पर बाड़मेर जिला रहा जिसमें 1418 विद्यालयों के 1,87,729 विद्यार्थियों ने शपथ ली, द्वितीय स्थान पर बीकानेर रहा जिसमें 982 विद्यालयों के 1,38,004 विद्यार्थियों ने शपथ ली और तृतीय स्थान पर चूरू रहा जिसमें 686 विद्यालयों के 1,27,154 विद्यार्थियों ने शपथ ली। इन तीनों जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को उत्कृष्ट नेतृत्व एवं अभूतपूर्व सहभागिता के लिए राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। रक्तकोष फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल बिश्नोई ने सभी शिक्षण संस्थानों, जिला शिक्षा अधिकारियों, विद्यार्थियों और फाउंडेशन की सभी जिला इकाइयों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं का यह सामूहिक संकल्प राजस्थान को सुरक्षित यातायात के नए युग में प्रवेश कराएगा और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरक नींव भी स्थापित करेगा। रक्तकोष फाउंडेशन के डीडवाना जिला अध्यक्ष मुकेश कटारिया ने बताया कि जिला उपाध्यक्ष राकेश सिमार, जिला संयोजक महेश काला, जिला सचिव तालिब ने अभियान के दौरान जिले के स्कूलों, कॉलेजों व शिक्षण संस्थानों में प्रार्थना सभाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को शपथ दिलाने के साथ ही सड़क सुरक्षा नियमों से भी अवगत कराया। शिक्षक, स्वयंसेवी संगठन और फाउंडेशन की जिला शाखाओं ने मिलकर इस शपथ अभियान को सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम बनाया। हेलमेट को केवल एक नियम नहीं बल्कि जीवन रक्षा के अनिवार्य सुरक्षा कवच के रूप में स्वीकारने का संदेश प्रभावी ढंग से विद्यार्थियों तक पहुँचाया।

जेईसीसी में हुआ प्रदेश के पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह का भव्य उद्घाटन

राजस्थान पर सबका भरोसा क्योंकि यहां हर वादा निभाया जाता है : पीयूष गोयल

मेहमानों से मिलते सीएम भजनलाल ।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, सहित गणमान्यजनों ने किया प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का उद्घाटन।

राजस्थान भक्ति, शक्ति और लक्ष्मीपुत्रों की धरती, मातृभूमि का कर्ज चुकाने राजस्थान में निवेश के लिए आगे आएं प्रवासीः हरिभाऊ बागडे

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में जयपुर के जेईसीसी सभागार में प्रदेश के पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 के ऐतिहासिक समारोह का बुधवार को भव्य उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा सहित कई नामी उद्योगपति, देश-विदेश से आए प्रवासी राजस्थानी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया कि वे मातृभूमि का कर्ज चुकाने यहां अधिक से अधिक निवेश करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में सदा मदद की है। प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन राजस्थान के प्रवासियों के आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने राजस्थान को भक्ति और शक्ति के साथ लक्ष्मीपुत्रों की धरती बताया। उन्होंने महाकवि कन्हैयालाल सेठियाजी की पंक्तियां 'धरती धोरा री' सुनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में स्थाई वास कराने की भी पहल करें। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पहल से एक साथ इतने प्रवासी राजस्थानियों का यह भव्य सम्मेलन भविष्य के लिए बहुत बड़ी निवेश संभावनाएं लिए है।

राजस्थान की युवा शक्ति सबसे बड़ी ताकत

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राजस्थान को परंपरा, आधुनिकता, विकास और विरासत के अद्भुत संतुलन वाला राज्य बताते हुए कहा कि प्रदेश के पास डेमोग्राफिक डिविडेंड, डिपेण्डेबिलिटी, डिसाइसिवनेस, डिवोशन, डिमाण्ड और डाइवर्सिटी की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत इसकी डेमोग्राफिक डिविडेंड यानी विशाल युवा शक्ति है, जिनके दम पर राज्य तेजी से प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश में आएं, यहां उन्हें मानव शक्ति और ज़मीन आदि सभी सुविधाएं समयबद्ध प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान अब सूखा क्षेत्र नहीं है। यह हरा भरा क्षेत्र है। उन्होंने वाल्मीकि रामायण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब भगवान श्री राम ने लंका विजय की तो सोने की लंका की लक्ष्मण ने प्रशंसा की। इस पर श्री राम ने कहा कि सोने की लंका मुझे नहीं सुहाती। श्री राम ने कहा 'जननी जन्म भूमि स्वर्गादपि गरीयसी'। जननी और जन्म भूमि स्वर्ग से भी महान होती है। उन्होंने मातृभूमि राजस्थान के विकास के लिए प्रवासियों को यहां हर क्षेत्र में सहयोग करने, उद्यमिता से युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान की अपनत्व भरी 'पधारो म्हारे देश' की संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रवासी यहां पधारें। उनका स्वागत और अभिनंदन है।

मुख्यमंत्री ने 2 वर्ष के कार्यकाल में सबको जोड़ने का किया कार्य

गोयल ने प्रदेश के नेतृत्व की निर्णय क्षमता, विश्वसनीयता और वादों को निभाने की परंपरा को राज्य की विशेष पहचान बताते हुए कहा कि राजस्थान पर भरोसा इसलिए किया जाता है क्योंकि यहां हर वादा निभाया जाता है, यही डिपेंडेबिलिटी राज्य को अनूठा बनाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने 2 वर्ष के कार्यकाल में सबको जोड़ने का काम किया है। उन्होंने प्रदेश में उद्योग और निवेश के लिए राइजिंग राजस्थान की पहल की और प्रवासी राजस्थानी दिवस इसमें दूसरा महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक प्रवासी राजस्थानी बसते हैं, जिन्होंने अपनी कर्मभूमि और जन्मभूमि दोनों से गहरा जुड़ाव बनाए रखा है। प्रवासी राजस्थानियों ने न केवल सामाजिक कार्यों में बल्कि देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में भी पूरी निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे दुनिया के हर हिस्से में राजस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं और अपनी मेहनत, संघर्ष और सफलता से राजस्थान की असली पहचान स्थापित कर रहे हैं।

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा कम समय में धरातल पर उतर चुका है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से राजस्थान की हस्तकला और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दी जा रही है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, ऊर्जा, पर्यटन और सामाजिक क्षेत्र में राजस्थान तेजी से उभर रहा है और यह प्रवासी व स्थानीय उद्योगों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

अरावली को बचाने पर भारत सेवा संस्थान की सेमिनार आज जयपुर में

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) भारत सेवा संस्थान ने अरावली पर्वत श्रृंखला पर खनन से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय पर चर्चा के लिए गुरुवार, 11 दिसम्बर को जयपुर में एक सेमिनार रखी है। भारत सेवा संस्थान के सचिव और राज्य के पूर्व महाधिवक्ता जी एस बापना ने बताया कि, विश्व पर्वत दिवस के मौके पर यह सेमिनार प्राकृत भारती समिति के मालवीय नगर स्थित सेमिनार हॉल में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। उनके अनुसार, अन्य के साथ राजेन्द्र सिंह, नीलम अहलूवालिया, जयेश जोशी, एम एस राठौड़ तथा प्रदीप पूनिया भी इस चर्चा में शामिल होंगे। बापना के अनुसार, रोजगार और विकास के नाम पर केन्द्र सरकार की एक समिति द्वारा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में खनन के अलावा सभी पक्षों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है।

कामरेड की 27वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान सीकर स्थित कामरेड त्रिलोक सिंह जी की समाधि स्थल पर कामरेड तिलोक सिंह को पुष्प अर्पित कर व नारे लगाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि समाधि स्थल पर संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल, पूर्व विधायक पेमाराम, सुरेश थालोड़ ,हरिराम मील, भगवान सहाय ढाका, सुभाष जाखड़,विजेंद्र ढाका, रुड सिंह महला, पन्नालाल,मंगल सिंह माडोता ,डॉक्टर युद्धवीर सिंह महला आदि सभी साथियों ने कॉमरेड त्रिलोक सिंह को अपना आदर्श मान कर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कामरेड त्रिलोक सिंह के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। व सभी ने सच्चे दिल से याद किया।

जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान का वार्षिक सम्मेलन 25 को

जयपुर।(आस-पसा ब्यूरो) जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान सीकर स्थित कार्यालय में कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की गई। संस्थान का 82वॉ वार्षिक सम्मेलन 25 दिसंबर को मनाया जाएगा। उक्त कार्यक्रम को विशाल रुप देने के लिए अलग-अलग समितिया बना कर जिम्मेदारिया दी गई। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अपनी अपनी जिम्मेदारियां तन मन धन से निभाने का संकल्प लिया। तथा मुख्य अतिथि व अतिथियों को निमंत्रण पत्र देने पर चर्चा की। आदि सभी विषयों पर चर्चा की गई। तथा जल्दी ही प्रेस वार्ता कर सभी मुख्य अतिथियों के नाम सूचित किए जाएंगे। संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल,शिव नाथ भडिया,के डी नेहरा, सुरेश थालोड़,हरिराम मील, रुड सिंह महला, जयंत खीचड़, हरफूल सिंह, सूरजभान सिंह, डॉ यूधवीर सिंह महला, डॉ रमन चौधरी, ऊंकार मल मूड़, दुर्गा देवी रणवा, राजेंद्र डोरवाल आदि सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

जयपुर में पुलिस टीम पर हमला, पीसीआर के एएसआई बलवीर सिंह गंभीर रूप से घायल

जयपुर।(आस-पास ब्यूरो) राजस्थान के जयपुर में झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर लोगों ने हमला बोल दिया है। हमले में कालवाड़ थाने के एएसआई बलवीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में काफी चोट आई है। पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

झगड़े की सूचना पर पहुंची थी पुलिसः एसीपी झोटवाड़ा आलोक सैनी ने बताया कि मंगलम कॉलोनी हाथोंज में परिवादी ओंकार सिंह ने सूचना दी कि उसके पड़ोस में रहने वाले उससे झगड़ा कर रहे हैं और पथराव कर रहे हैं। इस सूचना के बाद स्थानीय कालवाड़ थाना पुलिस की चेतक ब्क्टक्रमौके पर पहुँची थी। पीसीआर में एएसआई बलवीर सिंह, ड्राइवर और महिला कॉन्स्टेबल थी। जैसे ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और झगड़ा शांत कराने की कोशिश की। तुरंत पड़ोस में रहने वाले

अजय और उसकी मां और अन्य लोगों ने पुलिस की टीम पर हमला कर दिया और पथराव करने लगे। इस हमले में स्ढ बलवीर सिंह के सिर में गंभीर चोट लगी है, जिन्हें नज़दीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद होगी गिरफ्तारीः वहीं, महिला कॉन्स्टेबल और ड्राइवर से भी हमलवारों ने अभद्रता की है। पुलिस ने अजय, उसकी माता और अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। एसीपी ने बताया कि थाने में मुक़दमा दर्ज किया जा रहा है। राजकार्य में बाधा पहुंचाने और पुलिसकर्मियों से मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुक़दमा दर्ज होने के बाद आरोपियों को गिरफ़्तार किया जाएगा।

पूरे महीने पुलिसकर्मियों के लिए फ्री आई कैंप

एएसजी हॉस्पिटल ने शुरू की मेगा हेल्थ ड्राइव

जयपुर।(आस-पास ब्यूरो...✍)

प्रदेशभर के पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए बड़ी खुशखबर! एएसजी आई हॉस्पिटल ने नेत्र चिकित्सा के 20 साल पूरे होने पर एक महीने लंबी निःशुल्क नैत्र परीक्षण मुहिम की शुरुआत कर दी है। यह विशेष शिविर 10 दिसंबर से 9 जनवरी तक चलाया जाएगा। हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. 'योति गर्ग, डॉ. मुकेश पाटिल, डॉ. दिव्या सिंह और डॉ. अनुभव उपाध्याय के अनुसार, पुलिसकर्मियों के साथ उनके परिवार के सभी सदस्यों की आंखों की जांच पूरी तरह फ्री में की जाएगी। एएसजी की यह मुहिम न सिर्फ हॉस्पिटल में बल्कि पूरे महीने पुलिस लाइन्स और पुलिस स्टेशंस पर भी आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही नेत्र स्वास्थ्य को लेकर आवश्यक जागरूकता लैफलेट्स भी वितरित किए जाएंगे। देशभर में स्त्र की 180 ब्रांचें इस विशेष नेत्र जागरूकता अभियान में हिस्सा ले रही हैं।

जयपुर, जोधपुर, अलवर सहित 19 सीएमएचओ को नोटिस

दवाईयों का रिकॉर्ड ऑनलाइन रखने में लापरवाही, हेल्थ डिपार्टमेंट ने सीएमएचओ से 3 दिन में मांगा जवाब

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में मेडिकल सेक्टर को डिजिटल रूप से अपग्रेड करने के लिए सरकार ने इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया है। इस सिस्टम को लागू करने में कई जिलों में लापरवाही बरती जा रही है। इसे देखते हुए नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) निदेशक ने राज्य के 19 जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सभी सीएमएचओ से 3 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। यह नोटिस मॉड्यूल को निर्धारित समय सीमा में एक्टिव नहीं करने के कारण जारी किया है। इसमें जयपुर के अलावा जोधपुर, अलवर समेत अन्य जिलों के सीएमएचओ शामिल हैं।

13 नवंबर तक करना था जिला अस्पताल-सीएचसी में लागूः विभागीय

दिशा-निर्देशों के अनुसार 13 नवंबर तक सभी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में यह डिजिटल मॉड्यूल एक्टिव करके फंक्शनल करना था। इसे लेकर जब पिछले दिनों स्टेट लेवल पर बैठक हुई तो सामने आया कि 19 जिलों की कई सीएचसी, डिस्ट्रिक हॉस्पिटल में ये सिस्टम पूरी तरह शुरू ही नहीं करवाया गया। इसे देखते हुए एनएचएम के निदेशक ने जयपुर में दोनों सीएमएचओ के अलावा दौसा, भरतपुर, चूरू, जोधपुर, अलवर, सीकर, बारां, उदयपुर, खैरथल-तिजारा, डीग, डूंगरपुर, बाड़मेर, सिरोही, कोटपूतली-बहरोड़, डीडवाना-कुचामन, चित्तौड़गढ़ और झुंझुनूं जिलों के सीएमएचओ को नोटिस जारी करते हुए 3 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।

आईएचएमएस फॉर्मेसी मॉड्यूल में दवाईयों का रिकॉर्ड ऑनलाइन करते हैं मेंटेनः इस सिस्टम के तहत हॉस्पिटल में (सरकारी खर्चे पर) आने वाली सभी दवाईयों का रिकॉर्ड ऑनलाइन मेंटेन किया जाता है। इसके अलावा ओपीडी में जो दवाई की पर्चियां मरीजों को डॉक्टर लिखकर देते हैं। उस पर्ची में लिखी जिन दवाईयों को हॉस्पिटल से मरीज को दी जाती है, उसकी भी एंट्री मौके पर की जाती है। इससे हॉस्पिटल में रियल टाइम स्टॉक का अपडेशन मिलता रहता है। हॉस्पिटल में कौन-सी दवाइयां, इंजेक्शन कितने स्टॉक में हैं। कितने मरीजों को दिए जा चुके हैं और इंजेक्शन कौन-सी डीडीसी (दवाई काउंटर) पर मौजूद हैं। इसकी जानकारी मिलती रहती है।

बेटी सम्मान महोत्सव की तैयारी की समीक्षा

चाकसू।(आस-पास ब्यूरो) जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था की बैठक संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा की अध्यक्षता में संस्था कार्यालय सीतापुरा में संपन्न हुई ,बैठक में संस्था के तत्वावधान में आगामी 1 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले बेटी सम्मान महोत्सव की अब तक की तैयारी की समीक्षा की गई एवं संयोजक मोहनलाल शर्मा द्वारा कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई ,अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं संयोजक मोहनलाल शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, संगीत, सनातन संस्कृति, स्वरोजगार सहित विविध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बेटियों का अभिनंदन किया जाएगा एवं मातृशक्ति से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा, समारोह में ऐसी मातृशक्ति जो प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भी अपने क्षेत्र में शानदार सफलता अर्जित करते हुए अनुकरणीय आदर्श स्थापित कर रही है, हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है ऐसी मातृ शक्ति को मंच से रूबरू कराया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक पशुपति कुमार शर्मा द्वारा मोहन शर्मा एंड प्रा. लि., ए-10 सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र जयपुर से मुद्रित एवं एस-2 मेट्रो प्लाजा, परिवहन मार्ग, गोपाल बाड़ी जयपुर से प्रकाशित संपादक पशुपति कुमार शर्मा, मो. 9829219845, कार्यालय 209 ट्यूलिप एनक्लेव सेंट्रल स्पाइन विद्याधर नगर जयपुर, फोन: 0141-4910709/ सीकर कार्यालय एफ-55 ओ. क्षेत्र सीकर, फोन: 01572- 245245, 245164

पूजनीय गुरुदेव
श्री हरिनाथ जी
चतुर्वेदी

CLC द्वारा प्रतिभाओं को तलाश कर, तराशने का महाअभियान...

CBSE एवं RBSE के 6, 7, 8, 9, 10, 11 एवं 12 (विज्ञान वर्ग)

में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को पहचान देने का सुनहरा अवसर...

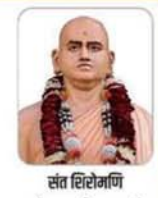

संत शिरोमणि
श्री मकड़ीनाथ जी
महाराज

District Level Talent Search Exam
DTSE-2026
21 Dec. 2025
CLC का सपना हर गाँव से डॉक्टर/इंजीनियर बने अपना

DTSE

जिला स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा-2026

Apply Now
clcdtse.com
95212-36555

FREE Registration

21 दिसम्बर, 2025 (रविवार) • प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक

विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के नाम एक संदेश...

प्रिय विद्यार्थी एवं अभिभावक,

मैं परमश्रद्धेय गुरुदेव से आपकी सपरिवार नेक कुशलता की कामना करता हूँ। सीकर की शैक्षणिक अग्रज आपकी CLC का हमेशा से मूल ध्येय रहा है, "CLC का सपना, हर गाँव से डॉक्टर / इंजीनियर बने अपना"।

मुझे आपको यह सूचित करते हुए अपार प्रसन्नता है कि आपकी CLC प्रतिभाओं को तलाश कर, तराशने की मुहिम के तहत् 21 दिसम्बर, 2025 को वर्तमान सत्र (2025-2026) में कक्षा 6वीं से 12वीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों हेतु शेखावाटी के लगभग 55 परीक्षा केन्द्रों पर DTSE (जिला स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा) का आयोजन करवाने जा रही है। इस परीक्षा हेतु पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क रहेगा व फॉर्म भरने के लिए आपको www.clcdtse.com पर जा कर रजिस्ट्रेशन करना होगा।।

इस परीक्षा द्वारा प्रतिभाओं को पुरस्कृत करने के साथ-साथ अगले सत्र (2026-2027) की कक्षा हेतु Tuition Fee में 100% तक की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। इस मुहीम द्वारा प्रतिवर्ष अनगिनत नवांकुर अपने Medicos या IIT ians/NITians बनने के सपने को साकार करते आए हैं, जिसके फलस्वरूप झोंपड़ियों को महलों में तब्दील होते देखकर अभिभावक एवं CLC गौरवान्वित है।

पुरस्कार हेतु प्रत्येक जिले से प्रत्येक कक्षा (6वीं से 12वीं) के TOP-200 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। विद्यार्थियों के परिणाम की घोषणा 28 दिसम्बर, 2025 को सायं 5 बजे हमारी वेबसाइट www.clcdtse.com पर होगी व आपके द्वारा दिए गए मोबाइल नम्बर पर भी प्रेषित की जाएगी।

प्रत्येक जिला मुख्यालय पर पहुँचकर आपका व आपके नौनिहालों का सम्मान किया जायेगा। **जिलेवार पुरस्कार वितरण के केन्द्र की जानकारी आपके रजिस्ट्रर मोबाइल नम्बर पर मैसेज द्वारा भेजी जायेगी।**

मैं ईश्वर से आपके नौनिहालों के सुनहरे भविष्य की मंगलकामना करता हूँ।

आपका अपना- **श्रवण CLC**

Important Dates

Admit Card	Exam Date	Result Declaration
19 Dec. 2025	21 Dec. 2025	28 Dec. 2025

3 Districts | **55+** Centres

UP TO 100% SCHOLARSHIP in TUITION FEE

₹ 2.50+ Lakh CASH PRIZES

1st Rank : ₹ 5100 | 2nd Rank : ₹ 3100
3rd Rank : ₹ 2100 | 4th & 5th Rank : ₹ 1100

Prize for Each Class from Each District

Other Prize -
- Umbrella, Medal & Memento for Top 20 Students
- DTSE Certificate for All Participant
- Medal for Top 200 Students

नोट : (i) नगद एवं अन्य सभी पुरस्कार केवल उन्हीं प्रतिभागियों को प्रदान किए जाएंगे जो स्वयं पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित रहेंगे। (ii) प्रत्येक जिले से प्रत्येक कक्षा के TOP-200 विद्यार्थियों को पुरस्कार हेतु चुना जाएगा।

WRITTEN EXAM

कक्षा 6, 7, 8, 9 & 10

विषय	प्रश्न
भौतिक विज्ञान	10 प्रश्न
रसायन विज्ञान	10 प्रश्न
जीव विज्ञान	10 प्रश्न
मानसिक दक्षता	15 प्रश्न
गणित	25 प्रश्न
कुल :	**70 प्रश्न**
समय :	**120 मिनट**

कक्षा 11 & 12 (Science)

विषय	प्रश्न
भौतिक विज्ञान	25 प्रश्न
रसायन विज्ञान	25 प्रश्न
जीव विज्ञान / गणित	25 प्रश्न
कुल :	**75 प्रश्न**
समय :	**120 मिनट**

Scan QR for detailed Syllabus

Scan QR for Director Message

Written Exam City

सीकर	झुंझुनूं	चूरू
• अजीतगढ़	• अलसीसर	• चूरू
• CIS चैलासी	• बगड़	• कातर छोटी
• दांता	• बिसाऊ	• पड़िहारा
• धोद	• बुहाना	• राजलदेसर
• फ़तेहपुर	• चनाना	• रतनगढ़
• कांवट	• चिड़ावा	• सादुलपुर
• खंडेला	• गुढ़ा गौड़जी	• सालासर
• खाटूश्यामजी	• CHS झुंझुनू	• सांडवा
• खूड़	• खेतड़ी	• सरदारशहर
• लक्ष्मणगढ़	• मलसीसर	• सिद्धमुख
• लोसल	• मंडावा	• सुजानगढ़
• नेछवा	• मण्ड्रेला	• तारानगर
• नीम का थाना	• मुकुंदगढ़ मंडी	
• पलसाना	• नवलगढ़	
• पाटन	• पिलानी	
• रामगढ़ (दांता)	• सिंघाना	
• रामगढ़ शेखावाटी	• सूरजगढ़	
• रानोली	• उदयपुरवाटी	
• रींगस	**चूरू**	
• सेवद बड़ी	• बीदासर	
• श्रीमाधोपुर	• छापर	
• CLC सीकर	• कानूता	
• थोई		

Top Achievements of CLCians

NEET (UG) : 2025

AIIMS DELHI — Nishant Kumar

VMMC DELHI — Subham Kumar

UCMS DELHI — Hari Anantt

MAMC DELHI — Sabir Ansari

AIIMS JODHPUR — Divya Takhar

AIIMS JODHPUR — Jeth Nath

MAMC DELHI — Mohit Sangwan

IIT-JEE : 2025

IIT BHU — Aditya Kushwah

IIT BHU — Ramdev Gar

IIT Mandi — Himanshu Sharma

IIT Kanpur — Lokendra Singh

IIT BHU — Diya Sinwar

CLC

NEET (UG) • IIT-JEE • NDA
OLYMPIADS CBSE & RBSE SCHOOLS

clcsikar.com clcsikar

Result Corner 2025 | 1600+ CLCians पहुँचेंगे Govt. MBBS College | 150+ CLCians पहुँचेंगे IITs/NITs

Sikar (Head Office): कर्मस्थली, पं. हरिनाथ चतुर्वेदी मार्ग, पिपराली रोड़, सीकर
Academic Block-III: हरिस्थली, नवलगढ़ पुलिया के पास, सीकर
Jhunjhunu : दिव्यस्थली, बस-स्टैंड चंद्रपुरा, गुढ़ा रोड़, झुंझुनू मो. 89056-02188
Helpline: 01572-255500, 94140-36555, 95212-36555

Study Centres
SIKAR • JAIPUR • ALWAR
BIKANER • JHUNJHUNU
NARNAUL